Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...
RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

घटती घटना

अम्बिकापुर , वर्ष 19,अंक -55 रविवार ,25 दिसम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

हम सब ज्ञान से युक्त हों,ज्ञान के साथ हमारा कभी वियोग न हो।

- अथर्ववेद-

दिसंबर 2023 तक मुफ्त राशन वितरण

कैबिनेट से मिली मंजूरी

नई दिल्ली ,24 दिसंबर2022 (ए)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक बड़े फैसले में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (एनएफएसए) के तहत एक साल की अवधि के लिए दिसंबर 2023 तक मुफ्त राशन बांटने का फैसला किया। वाणिज्य और खाद्य मंत्री पीयूष गोयल ने मीडियाकर्मियों को बताया कि इस कदम से 2 लाख करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा जो पूरी तरह से सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

इस कदम से 81.35 करोड़ से अधिक एनएफएसए लाभार्थी लाभान्वित होंगे। इससे पहले, एनएफएसए के तहत लाभार्थियों को रियायती दरों पर चावल और गेहूं प्रदान किया जाता था। गोयल ने बताया कि खाद्यान्न, जो अप्रैल 2020 से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत प्रदान किया जा रहा था, उसे भी एनएफएसए कोटा के तहत शामिल किया जाएगा।

इस प्रकार पीएमजीकेएवाई को दिसंबर 2022 से आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। शुक्रवार के फैसले से पहले एनएफएसए के तहत प्रति व्यक्ति प्रति माह 5 किलो खाद्यान्न 2-3 रुपये प्रति किलो की दर से मुहैया कराया जा रहा था। अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) के तहत परिवारों को प्रति माह 35 किलो खाद्यान्न मिलता है।

एनएफएसए के तहत गरीबों को तीन रुपये प्रति किलो चावल और एनएफएसए के तहत दो रुपये प्रति किलो गेहूं दिया जाता है। अब यह सब लाभुकों को निःशुल्क दिया जाएगा।

आप के 14 विधायक दिल्ली एमसीडी के लिए मनोनीत

नई दिल्ली ,24 दिसंबर2022 (ए)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के कुशल नेतृत्व में आम आदमी पार्टी ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में नगर निगम चुनाव को जीत लिया है। दिल्ली नगर निगम में मेयर के लिए प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद अब दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने आम आदमी पार्टी के 14 विधायकों को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के लिए मनोनीत किया है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक अधिसूचना में दी गई। मनोनीत सदस्यों में आतिशी , अखिलेश पति त्रिपाठी , दिनेश मोहनिया , दुर्गेश कुमार , गुलाब सिंह , जरनैल सिंह और मोहिंदर गोयल शामिल हैं। प्रमिला टोकस को आर के पुरम से, राजकुमारी ढिल्लों को हरी नगर से, राजेश गुप्ता को वजीरपुर से, ऋतुराज गोविंद को किराड़ी से, संजीव झा को बुराड़ी से, विनय मिश्रा को द्वारका से और अनिल कुमार बाजपेई को गांधी नगर से मनोनीत किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

देना बैंक के पूर्व शाखा प्रबंधक को 5 साल की सजा

नई दिल्ली ,24 दिसंबर 2022(ए)। अहमदाबाद की एक विशेष सीबीआई अदालत ने रिश्वत मामले में देना बैंक, चांदखेड़ा के तत्कालीन शाखा प्रबंधक यूबी मकवाना को पांच साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है, अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अदालत ने उसे जेल की सजा सुनाते हुए अपराध करने के लिए उस पर 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया।

राजस्थान वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा का पेपर लीक

एग्जाम से 10 मिनट पहले परीक्षा रद्द- 44 हिरासत में

जयपुर ,24 दिसंबर 2022(ए)। राजस्थान में एक बार फिर से एग्जाम का पेपर लीक हो गया, जिस कारण परीक्षा रद्द कर दी गई। जानकारी के अनुसार शनिवार को राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित करवाई जा रही वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा के ग्रूप सी का सामान्य ज्ञान का प्रश्न पत्र लीक होने के बाद यहां युवा के सपनों पर पानी फिर गया। पेपर लीक की जानकारी मिलने के बाद परीक्षा शुरू होने से 10 मिनट पहले आयोग के चेयरमैन संजय कुमार श्रोत्रिय ने प्रश्न पत्र को निरस्त करने की घोषणा भी कर दी है।

सृजन घोटाले के सरगनाओं को नोटिस दिया गया

पटना ,24 दिसंबर 2022(ए)। भागलपुर के कुख्यात सृजन घोटाले में सीबीआई की विशेष अदालत ने अमित प्रकाश और रजनी प्रिया को नोटिस जारी किया है। प्रकाश घोटाले की मास्टरमाइंड मनोरमा देवी का बेटा है, जबकि प्रिया उसकी बहू है। मनोरमा देवी का 2017 में निधन हो गया और उनके निधन के बाद बेटे और बहू इस घोटाले के सूत्रधार बन गए। घोटाले के सार्वजनिक होने के बाद से दोनों फरार चल रहे हैं। स्थानीय पुलिस ने भागलपुर के न्यू विक्रमशिला कॉलोनी स्थित तीन भवनों पर नोटिस चस्पा कर दिया।

40 फुट गहरी खाई में गिरी कार,आठ तीर्थयात्रियों की मौत

चेन्नई ,24 दिसंबर 2022(ए)। तमिलनाडु के थेनी जिले में बड़ा हादसा हुआ है। यहां के कुमुली पहाड़ी दर्रे पर एक कार शनिवार सुबह 40 फुट गहरे गड्ढे में गिर गई। इस हादसे में कार सवार 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। जिला कलेक्टर केवी मुरलीधरन ने इसकी जानकारी दी है।

रात 10 बजे के बाद टीटी चेक नहीं कर सकता आपका टिकट

नई दिल्ली ,24 दिसंबर 2022 (ए)। ट्रेन में अक्सर आप यात्रा करते होंगे और इस दौरान टीटीई आपका टिकट भी चेक करता होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रात 10 बजे के बाद ट्रेन में टीटीई आपका टिकट चेक नहीं कर सकता।

अगर ट्रेन में आप यात्रा कर रहे हैं और रात 10 बजे के बाद टीटीई आपको डिस्टर्ब करता है तो आप उसे टिकट देने से मना कर सकते हैं। रात 10 बजे के बाद आराम कर रहे पैसेंजर को उठाकर उसका टिकट चेक करने का अधिकार टीटीई के पास नहीं होता है। आइए जानते हैं कि भारतीय रेलवे के ऐसे कौन से नियम हैं जो यात्रा और यात्रियों से जुड़े हुए हैं।

ये हैं ट्रेन में यात्रा से जुड़े नियम

टिकट चेक करने को लेकर नियम अगर आप ट्रेन से सफर कर रहे हैं और रात का 10 बज चुका है तो सुबह तक टीटीई आपको डिस्टर्ब नहीं कर सकता है। अगर कोई टीटीई रात 10 बजे के बाद आपका ट्रेन टिकट चेक करता है तो आप उसे मना कर सकते हैं.

क्या रात में डिब्बे में जला सकते हैं लाइट?

ट्रेन में यात्रा से जुड़ा ये नियम आपको जरूर जान लेना चाहिए। रात के वक्त ट्रेन के डिब्बे में नाइट लाइट के अलावा सारी बंद करनी होती हैं क्योंकि इससे यात्रियों को सोने में डिस्टर्ब हो सकता है।

रात में 10 बजे तक ही बातचीत?

अगर आप अपने ग्रूप के साथ ट्रेन में यात्रा कर रहे हैं तो आप रात 10 बजे के बाद आपस में बातचीत नहीं कर सकते हैं। आपकी बातचीत के शोर से अन्य यात्रियों को समस्या हो सकती है।

बर्थ खोलने के नियम?

ट्रेन में अगर आपकी बर्थ नीचे वाली है और साथी यात्री बीच वाली बर्थ सोने के लिए खोलना चाहता है तो आप उसको मना नहीं कर सकते हैं।

यूआईडीएआई की लोगों से 10 साल पहले जारी आधार कार्ड में दस्तावेजों को अपडेट करने की अपील

नई दिल्ली ,24 दिसंबर 2022 (ए)। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने लोगों से आधार डेटाबेस में जानकारी की निरंतर सटीकता के लिए 10 साल पहले जारी किए गए आधार में अपने दस्तावेजों को अपडेट करने का आग्रह किया है। जिन लोगों ने अपना आधार 10 साल पहले जारी किया था, और उसके बाद इन वर्षों में कभी भी अपडेट नहीं किया है, उन्हें अपने दस्तावेजों को अपडेट करने की अपील की गई है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, लोग सहायक दस्तावेज (पहचान का प्रमाण और पते का प्रमाण) अपलोड करके अपना आधार अपडेट कर सकते हैं, या तो माईआधार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन या निकटतम आधार केंद्र पर जाकर ऑफलाइन कर सकते हैं।

पिछले एक दशक के दौरान, आधार संख्या भारत के निवासियों के लिए पहचान के सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत प्रमाण के रूप में उभरी है। केंद्र सरकार द्वारा संचालित 319 सहित 1,100 से अधिक सरकारी योजनाएं और कार्यक्रम सेवाओं के वितरण के लिए आधार-आधारित पहचान का उपयोग करते हैं। इसके अलावा, कई वित्तीय संस्थान जैसे बैंक, एनबीएफसी, आदि ग्राहकों को प्रमाणित करने और ऑनबोर्ड करने के लिए आधार का उपयोग करते हैं।

मंत्रालय ने कहा कि यह निवासियों के हित में है कि वह अपने आधार को पहचान के वर्तमान प्रमाण और पते के प्रमाण के साथ अपडेट रखें। आधार में दस्तावेजों को अपडेट रखने से जीवनयापन, बेहतर सेवा वितरण और सटीक प्रमाणीकरण को सक्षम करने में आसानी होती है।

द्वारका में बनाई जाएगी विश्व स्तरीय भगवान कृष्ण की सबसे ऊंची प्रतिमा

अहमदाबाद ,24 दिसंबर 2022(ए)। गुजरात देश के समृद्ध राज्य होने के साथ ही धार्मिक आस्था का बड़ा केंद्र भी है । यहां का द्वारकाधीश मंदिर विश्व प्रसिद्ध है जिसे देखने के लिए देश-विदेश से हजारों की संख्या में श्रद्धालु यहां आते है। यहां के प्रमुख धार्मिक स्थलों को और भव्यता प्रदान करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

गुजरात सरकार द्वारा विश्व प्रसिद्ध द्वारका शहर में भगवान कृष्ण की सबसे ऊंची प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया गया है । इसके पहले चरण पर काम अगले साल सितंबर में शुरू होने की उम्मीद है। गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने आज गांधीनगर में हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद यह घोषणा की। पटेल प्रदेश सरकार के प्रवक्ता भी हैं। देवभूमि द्वारका जिले के द्वारका में भगवान कृष्ण की दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति स्थापित करने के अलावा, द्वारकाधीश मंदिर के लिए प्रसिद्ध शहर में एक 3डी इमर्सिव एक्सपीरियंस जोन व श्रीमद् भगवद गीता अनुभव क्षेत्र भी बनेगा। पटेल ने कहा कि भाजपा सरकार ने इस क्षेत्र को पश्चिमी भारत का सबसे बड़ा धार्मिक केंद्र बनाने के लिए देवभूमि द्वारका कॉरिडोर' विकसित करने का फैसला किया है। पटेल ने कहा कि इस परियोजना के पहले चरण में, हम एक दर्शक दीर्घा बनाने की भी योजना बना रहे हैं, जहां से लोग प्राचीन द्वारका शहर के अवशेष देख सकते हैं। हम अगले साल सितंबर में भूमिपूजन करने के बाद पहले चरण के लिए काम शुरू करने की उम्मीद कर रहे हैं।

बाल-बाल बचे भाजपा विधायक

» 30 फीट गहरी खाई में गिरी कार

» गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

सतारा ,24 दिसंबर 2022 (ए)। महाराष्ट्र के सतारा जिले से बीजेपी विधायक ए जयकुमार गोरे की कार के भीषण हादसे के शिकार हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार यह घटना शनिवार सुबह की है। गहरी खाई में कार के गिरने के कारण विधायक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार इस कार में गोरे के अलावा उनके अंगरक्षक, ड्राइवर एवं एक अन्य भी सवार था और इस दुर्घटना में वे तीनों भी घायल हो गये। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''दुर्घटना शनिवार सुबह हुई। संभवतः चालक कार से नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण कार लोनंद-फलटन मार्ग पर पुल से करीब 30 फुट नीचे नीचे गिर गई। उन्होंने बताया, ''दुर्घटना में विधायक गोरे और तीन अन्य घायल हो गए। विधायक को उपचार के लिए पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती कराया गया जबकि अन्य घायलों का दूसरे अस्पतालों में इलाज चल रहा है। गोरे सतारा जिले में मान विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं।

कच्छ में खनन स्थल पर दीवार गिरने से 3 की मौत

कच्छ [गुजरात] ,24 दिसंबर 2022 (ए)। गुजरात के कच्छ जिले के खावड़ा में एक खनन गड्ढे की दीवार गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई. पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी. खावड़ा पुलिस के सब-इंस्पेक्टर धर्मेंद्रसिंह वाघेला ने कहा कि यह घटना शुक्रवार शाम 6 से 7 बजे के बीच एक खनन स्थल पर हुई, जब चट्टानों की 50 फीट ऊंची दीवार एक जेसीबी और ट्रक पर गिर गई।पुलिस ने शनिवार को कहा कि गुजरात के कच्छ जिले के खावड़ा में एक खनन गड्ढे की दीवार गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई।खावड़ा पुलिस के सब-इंस्पेक्टर धर्मेंद्रसिंह वाघेला ने कहा कि यह घटना शुक्रवार शाम 6 से 7 बजे के बीच एक खनन स्थल पर हुई, जब चट्टानों की 50 फीट ऊंची दीवार एक जेसीबी और ट्रक पर गिर गई। उन्होंने कहा, ÷तीन लोग मलबे में फंस गए थे। बचाव अभियान रात करीब आठ बजे शुरू किया गया था और पीड़ितों में से आखिरी को शनिवार को दोपहर तीन बजे निकाला गया।÷उन्होंने कहा कि मृतकों में से एक जेसीबी चला रहा था, जबकि अन्य पास में खड़े एक वाहन की मरम्मत कर रहे थे, जब दीवार उन पर गिर गई। अधिकारी ने कहा कि पीड़ित अशोक पटेल, गजेंद्र कौल और जयसिंह मध्य प्रदेश के रहने वाले थे। उन्होंने कहा कि यह घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

छोटे बच्चे ने पलक झपकते ही बचाई अपनी मां की जान

नई दिल्ली ,24 दिसंबर 2022 (ए)। छोटे बच्चों के बहादुरी के कारनामे तो आपने खूब देखे होंगे लेकिन एक बच्चा इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। एक वीडियो में दिख रहा है इसमें अपनी मां की जान को खतरे से बाहर निकाला और पलक झपकते ही ऐसा काम कर दिया जो वायरल हो गया।

दरअसल ट्विटर पर भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी दीपांशु काबरा ने यह वीडियो शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मां गैराज का दरवाजा रिपेयर कर रहीं थी कि तभी उनकी सीढ़ी गिर गई। मां को ऊपर लटका देख नन्हें जांबाज ने पूरी जान लगाकर सीढ़ी को वापस लगाकर उनकी मदद की। इस छोटे बच्चे की सूझ-बूझ और हिम्मत की जितनी प्रशांसा की जाए कम है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि

एक सीसीटीवी वीडियो वायरल हुआ है। इसमें एक महिला दरवाजे के पास सीढ़ी लगाकर ऊपर कुछ साफ कर रही थी। इसी दौरान सीढ़ी नीचे गिर गई उसका हाथ छज्जे के पास था. वह उसे पकड़कर ही लटक गई। वह लटक तो गई लेकिन नीचे से सीढ़ी गिर गई। जैसे ही सीढ़ी गिरी, वहां खड़ा उसका छोटा सा लड़का तुरंत एक्टिव हो (स्थ्ठ ड्ढद्धह्लड्डद्य ड्डद्वस्रद्गश्) गया।

अपनी सूझबूझ का परिचय देते हुए उसकी को तत्काल वहीं पर खड़ा कर दिया। महिला तुरंत उस सीढ़ी से ठीक उसी प्रकार नीचे उतर आई जैसे ही वह चढ़ी थी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। कई यूजर्स ने इस छोटे से लड़के के दिमाग की तारीफ करने लगे और कहने लगे कि उसने अपनी मां के लिए जान की बाजी लगा दी।

ऐसा कलेक्टर जो केवल छः दिन तक ही अपने पद पर बना रहा

नई दिल्ली ,24 दिसंबर 2022 (ए)। कलेक्टर, डीएम बनने का ख्वाब लेकर लाखों युवा हर साल यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में बैठते हैं। सपने को पूरा करने के लिए वह सालों साल परीक्षा की तैयारी करते रहते हैं।

क्या हो अगर कोई शानदार रैंक के साथ यूपीएससी क्रैक कर आईएएस अधिकारी बने और कुछेक दिनों में ही उसे कलेक्टर पद से हटा दिया जाए।

ऐसा हुआ यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2012 में सेकेंड टॉपर और आईएएस अधिकारी श्रीराम वेंकटरमन के साथ, जिन्हें 24 जुलाई 2022 को डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर नियुक्त तो किया गया लेकिन सिर्फ छह दिन बाद 1 अगस्त को इस पद से हटा दिया गया।

दरअसल वर्ष 2019 में आईएएस श्रीराम वेंकटरमन पर नशे में गाड़ी चलाते हुए एक पत्रकार को टक्कर मारने का आरोप लगा था। इस हादसे में पत्रकार केएम बशीर की मौत हो गई थी। 35 वर्षीय बशीर सिराज डेली में ब्यूरो चीफ थे।

केरल सरकार ने जब उन्हें अलपुझा जिला कलेक्टर बनाया तो जनता ने उनका विरोध किया और सरकार को उन्हें कलेक्टर के पद से हटाकर दूसरी जगह ट्रांसफर करना पड़ा था।

वेंकटरमन डॉक्टरी के पेशे से सिविल सर्विसेज में आए थे। एमबीबीएस करने के बाद उन्होंने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी की और दूसरे ही प्रयास में सेकेंड रैंक हासिल की। हालांकि एक आईएएस अधिकारी के रूप में वेंकटरमन की यात्रा विवादों में रही।

केरल में कोच्चि के रहने वाले श्रीराम वेंकटरमन की स्कूली शिक्षा भावांश विद्या मंदिर-गिरिनगर से पूरी हुई। इसके बाद उन्होंने वर्ष 2010 में गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, तिरुवनंतपुरम से एमबीबीएस किया।

केरल में तिरुवनंतपुरम की जिला अदालत ने अक्टूबर माह में आईएएस ऑफिसर श्रीराम पर लगे हत्या के आरोपों को खारिज कर दिया था।

साल 2020 में केरल सरकार ने श्रीराम वेंकिटरमन का सस्पेंशन रद्द कर दिया था। इसके बाद श्रीराम को हेल्थ डिपार्टमेंट का ज्वाइंट सेक्रेटरी बना दिया गया था। इस फैसले के खिलाफ भी खूब प्रदर्शन हुआ था।

उनके खिलाफ पत्रकारों संगठन, कई मुस्लिम संगठन और कई दूसरे संगठन भी प्रदर्शन करते रहे। वर्तमान में वह केरल स्टेट सिविल सप्लाईज कॉरपोरेशन लिमिटेड में जनरल मैनेजर हैं। अप्रैल 2022 में श्रीराम वेंकिटरमन ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2014 की सेकेंड टॉपर और अलापुझा जिले की कलेक्टर रेणु राज से शादी की। श्रीराम की यह पहली शादी थी लेकिन कोट्टायम की रहने वाली रेणु राज की यह दूसरी शादी थी।

संपादकीय

फिर 'आपदा' में 'अवसर'

शासन सिर्फ शक्ति से संचालित नहीं होता। बल्कि उसकी साख भी एक बड़ी चीज होती है। 'भेड़िया आया' वाली कहानी इस सिलसिले में सबको याद रखनी चाहिए। इसलिए कि ऐसा ना हो कि जब सचमुच भेड़िया आए, तब भी ऐसे शोर पर लोग यकीन ही ना करें।

चीन, जापान, दक्षिण कोरिया आदि देशों में कोरोना संक्रमण की आई लहर को देखते हुए ऐसा लगता है कि भारत सरकार ने 'आपदा' में 'अवसर' की अपनी रणनीति को फिर याद किया है। 2020 में कोरोना संक्रमण आते ही सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ चल रहे मशहूर शाहीनबाग आंदोलन से मुक्ति पा ली थी। अब निशाने पर कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा है। वरना, अभी जबकि सरकार ने कोई आम अनिवार्य एडवाइजरी जारी नहीं की है। कहीं भी मास्क पहनना या सोशल डिस्टेंसिंग को जरूरी नहीं बनाया गया है। लेकिन एक भाजपा सांसद की शिकायत पर स्वास्थ्य मंत्री ने यह जरूरी समझा कि राहुल गांधी और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिख कर कोरोना के खतरे से आगाह किया जाए। पत्र में कहा गया कि या तो यात्रा के दौरान कोरोना नियमों का पालन किया जाए या फिर यात्रा रोक दी जाए। अगर कोरोना लहर का खतरा वास्तविक है, तो सरकार को पूरा अधिकार है कि वह ऐसे परामर्श या आदेश जारी करे। लेकिन अगर ऐसे पत्र सिर्फ सत्ताधारी समूह के लिए असहजता पैदा कर रही किसी राजनीतिक गतिविधि को भेजा जाएगा, तो उस पर जरूर सवाल उठाए जाएंगे। इसके पहले बच्चों के कथित राजनीतिक उपयोग का आरोप लगाते हुए भी संबंधित सरकारी संस्थान ने भारत जोड़ो यात्रा पर शिकंजा कसने की कोशिश की थी। अलग-अलग मसलों पर जो सियासी विवाद खड़े किए गए, वो तो अलग ही हैं। बहरहाल, सरकार, मंत्रियों और उसकी संस्थाओं को यह अवश्य समझना चाहिए कि ऐसे एकतरफा और राजनीति से प्रेरित महसूस होने वाली उनकी कार्रवाइयों से खुद ही उनकी ही साख कमजोर होती है। उससे सत्ताधारी समूह की समर्थक जमातों में जरूर उत्साह पैदा होता होगा, लेकिन समाज के अन्य हिस्सों में आक्रोश भरी प्रतिक्रिया होती है। यह भी समझने की बात है कि शासन सिर्फ शक्ति से संचालित नहीं होता। बल्कि उसकी साख और प्रतिष्ठा भी एक बड़ी चीज होती है। 'भेड़िया आया' वाली कहानी इस सिलसिले में सबको याद रखनी चाहिए। इसलिए कि ऐसा ना हो कि जब सचमुच भेड़िया आए, तब भी ऐसे शोर पर लोग यकीन ही ना करें।

नए साल के पँख पर

प्रियंका सौरभ
हिसार
हरियाणा

बीत गया ये साल तो, देकर सुख-दुःख मीत !
क्या पता? क्या है बुना ? नई भोर ने गीत !!
माफ़ करे सब गलतियां, होकर मन के मीत !
मिटे सभी की वेदना, जुड़े प्यार की रीत !!
जो खोया वो सोचकर, होना नहीं उदास !
जब तक साँसे हैं मिली, रख खुशियों की आस
खिली-खिली हो जिंदगी, महक उठे अरमान !
आशा है नव साल की, सुखद बने पहचान !!
छँटे कुहासा मौन का, निखरे मन का रूप !
सब रिश्तों में खिल उठे, अपनेपन की धूप !!
दर्द दुखों का अंत हो, विपदाएं हो दूर !
कोई भी न हो कहीं, रोने को मजबूर !!
छेड़ रही है प्यार की, मीठी-मीठी तान !
नए साल के पँख पर, खुशबू भरे उड़ान !!

प्रतिष्ठा मिली

गरिमा राकेश गौतम गर्विता
कोटा,
राजस्थान

आईने को साफ किया, तो मैं नजर आयी।
जब मैं को साफ किया, तो गुरु नजर आये ।
जब गुरु नजर आये , श्रद्धा मन में जगी।
जब श्रद्धा जगी तो, राह मंजिल की दिखी।
जब राह पर चली तो,मंजिल जीवन की मिली।
और जब मंजिल मिली तो,गुरु के आशीर्वाद से....
पद, प्रतिष्ठा ,मान और सम्मान मुझे मिला।
जब सम्मान मिला तो, मैंने अपने हर शब्द को
हर सम्मान को, गुरु को ही समर्पित किया।

भ्रष्टाचार की आदत से लाचार हूं

एडवोकेट
किशन
सनमुखदास
भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

घूसखोरी मामले में तीन बार निलंबित हो चुका हूं
ले दे कर छूटकर फ़िर पद पर लग जाता हूं
फिर वही चकरे खिलाकर माल सूतता हूं
भ्रष्टाचार की आदत से लाचार हूं
विभाग में भ्रष्टाचारके नामसे मेरी तूती बोलती है
बड़े से छोटे साहब मुझे पसंद करते हैं
हिस्सेदारी के दम पर उनका पसंददार हूं
भ्रषटाचार की आदत से लाचार हूं
मोहल्ले वाले की सब्जी आचार लाया हूं
उनके रेट में भी तिकड़म जमाया हूं
सौ देकर दो सौ लेने मज़बूर हूं क्योंकि
भ्रष्टाचार की आदत से लाचार हूं
समाज सेवा में भी अंटी मारने मज़बूर हूं
मार्केट से अधिक बिल बनाकर हेराफेरी करता हूं
हरे गुलाबी से सबको फंसानदार हूं क्योंकि
भ्रष्टाचार की आदत से लाचार हूं
अधिकारी हूं पर मंदिरों में भी पदाचारी हूं
वहां भी अपने पद का फायदा उठाता हूं
किसी को बताना मत हेराफेरी करने को
मलाईचार हूं
भ्रष्टाचार की आदत से लाचार हूं

आइये नव वर्ष में अपनी पसंद को क्षमताओं में बदले

एक बार चुनाव किसी के दिमाग और दिल से उत्पन्न होता है और अंततः उसकी क्षमताओं में और उसके निर्णय लेने में परिलक्षित होता है। किसी भी स्थिति के लिए प्रतिक्रिया एक विकल्प और उसके परिणाम के लिए एक आदर्श उदाहरण है। कोई भी इस दुनिया में अनुकरणीय क्षमताओं के साथ पैदा नहीं हुआ है। लेकिन किसी विशेष विषय को चुनना, पसंद से उस पर कड़ी मेहनत करना, इस विषय में दूसरों को टक्कर देना और हराना है और इसलिए यह सब उस एक सामान्य विषय या तत्व को चुनने और उसे अपनी क्षमता में स्थानांतरित करने की पसंद के बारे में है। क्षमता खुली है, अक्सर किसी कार्य को करने या पूरा करने के लिए सटीकता की गति और विधि के रूप में वर्णित किया जाता है जो अन्य की तुलना में बेहतर और तेज और अधिक सटीक होता है। एक व्यक्ति किसी भी क्षमता के साथ पैदा हो सकता है या नहीं लेकिन धीरे-धीरे किसी भी क्षमता को प्राप्त कर सकता है यदि वह उस क्षमता को प्राप्त करने के लिए आवश्यक सभी प्रयास और समय लगाकर ऐसा करना चाहता है। आइये नव वर्ष में अपनी पसंद को क्षमताओं में बदले।किसी व्यक्ति द्वारा किया जाने वाला चुनाव उसकी निर्णय लेने की क्षमता के बारे में है जो उसके भीतर गहरे में निहित है, जबकि किसी भी समय उसके पास मौजूद क्षमता उस कौशल और विशेषज्ञता का वर्णन करती है जिसे उसने अपने विकास की प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त किया है। यह किसी की पसंद है जो उसकी क्षमताओं को तय कर सकती है लेकिन किसी की क्षमता कभी-कभी किसी की पसंद तय कर सकती है या नहीं। एक बार चुनाव किसी के दिमाग और दिल से उत्पन्न होता है और अंततः उसकी क्षमताओं में और उसके निर्णय लेने में परिलक्षित होता है। किसी भी

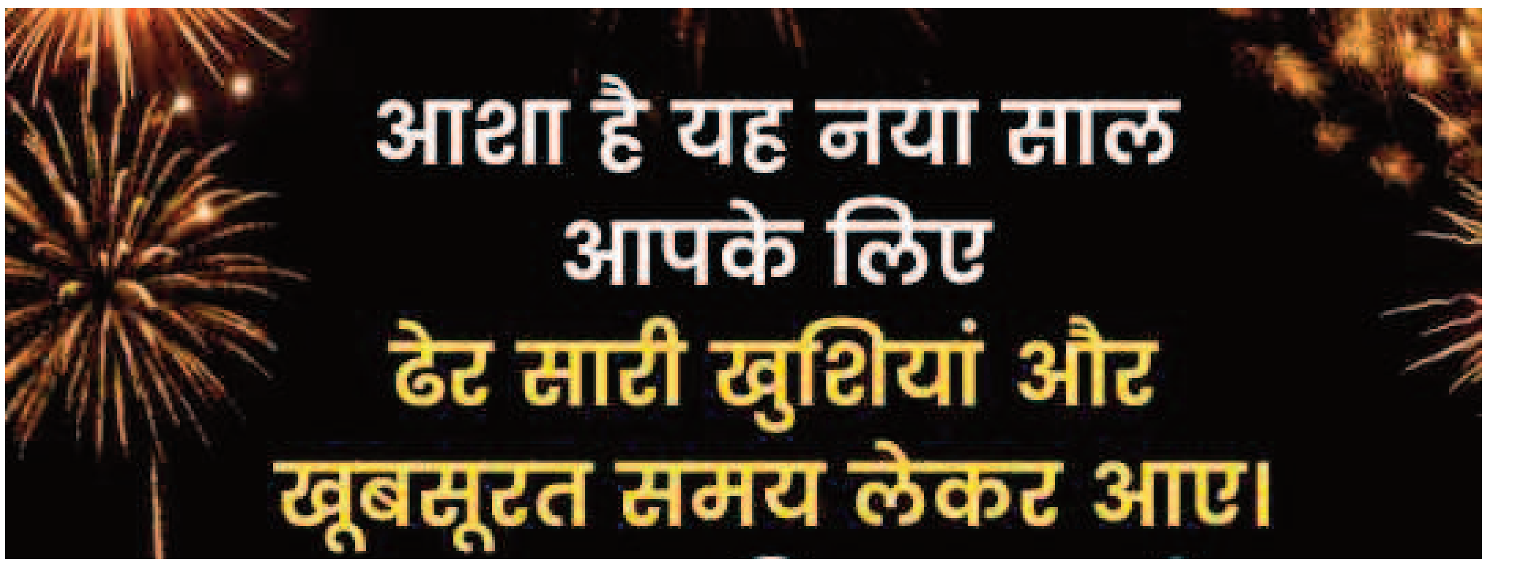

स्थिति के लिए प्रतिक्रिया एक विकल्प और उसके परिणाम के लिए एक आदर्श उदाहरण है। कोई भी इस दुनिया में अनुकरणीय क्षमताओं के साथ पैदा नहीं हुआ है। लेकिन किसी विशेष विषय को चुनना, पसंद से उस पर कड़ी मेहनत करना, इस विषय में दूसरों को टक्कर देना और हराना है और इसलिए यह सब उस एक सामान्य विषय या तत्व को चुनने और उसे अपनी क्षमता में स्थानांतरित करने की पसंद के बारे में है।

क्षमता खुली है अक्सर किसी कार्य को करने या पूरा करने के लिए सटीकता की गति और विधि के रूप में वर्णित किया जाता है जो अन्य की तुलना में बेहतर और तेज और अधिक सटीक होता है। एक व्यक्ति किसी भी क्षमता के साथ पैदा हो सकता है या नहीं लेकिन धीरे-धीरे किसी भी क्षमता को प्राप्त कर सकता है यदि वह उस क्षमता को प्राप्त करने के लिए आवश्यक सभी प्रयास और समय लगाकर ऐसा करना चाहता है। पृथ्वी पर जीवन के आगमन से, विभिन्न प्रकार की क्षमताओं के साथ शैलियों और प्रजातियों को जन्म से दिया गया था। जनरल %लियो% में तेजी से दौड़ने की क्षमता थी और शिकार को जल्दी से टुकड़ों में कुचलने के लिए तेज दांत, लचीली रीढ़ की हड्डी, तेज आंखें और कान, त्वरित प्रतिवर्त क्रियाएं यानी जंगल के राजा होने के लिए वास्तव में अपरिहार्य सभी गुण थे। इसी तरह अन्य विधाएं भी थीं।

लेकिन जंगल में जीवित रहने के लिए आवश्यक उपरोक्त भौतिक गुणों की कमी के बावजूद भी होमो सेपियन्स को इस पृथ्वी के शासक के रूप में क्या बनाया ? यह उनके विकास की प्रक्रिया के दौरान समय-समय पर होमो सेपियन्स द्वारा किया गया विकल्प था औजारों को तेज करना, आग लगाना, भोजन के शिकारी से कृषक बनना या सभी एक साथ हम कह सकते हैं कि संज्ञानात्मक क्रांति (दिमाग का ज्ञान और मस्तिष्क का उपयोग) कृषि क्रांति और अंत में औद्योगिक क्रांति सभी प्रजातियों द्वारा किए गए विकल्पों और निर्णयों के परिणाम ÷सेपियन्स÷ को ÷समय-समय पर किये गए प्रयासों ने उन्हें अंततः इस दुनिया का शासक बना दिया। सेपियन्स ने अपनी शारीरिक क्षमताओं के बजाय अपने दिमाग को विकसित करने के एक ही विकल्प ने सभी जरूरतमंदों को पूरा किया।

किसी व्यक्ति द्वारा किए गए विकल्प क्षमताओं की प्रयोज्यता का पता लगाते हैं, पॉलिश करते हैं और निर्णय लेते हैं। यह अर्जुन (महाभारत) की पसंद थी कि वह केवल लक्ष्य यानी पक्षियों की आंखों पर ध्यान केंद्रित करे और बाकी के दृश्य को नजरअंदाज कर दे, जिसने उसे अपने अन्य साथी प्रतिस्पर्धियों से तीरंदाजी के क्षेत्र में सबसे अधिक योग्य बना दिया। दक्षिण अफ्रीका में यूरोपीय शासकों द्वारा किए जा रहे नस्लवाद के खिलाफ और अंग्रेजों द्वारा भारतीयों पर जुर्म के खिलाफ महात्मा गांधी द्वारा अपनाई गई अहिंसक संघर्ष की क्षमता थी, जिसने बाद में इन विकल्पों और इस तरह की क्षमताओं के आधार पर सब को जीत लिया। सामाजिक स्तर पर यह फिर से वह विकल्प है जिसने मानव के विश्व इतिहास को आकार दिया। फ्रांसीसी क्रांति का मूल स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे विकल्पों में था (ये विकल्प हैं लेकिन क्षमताएं नहीं)। रूसी क्रांति कार्ल मार्क्स के प्रेरित वर्ग संघर्ष और उनके शोषण की धारणाओं से उत्पन्न हुई। जबकि भारतीय क्रांति की जड़ें राष्ट्रवाद के उदय में थीं। राष्ट्रवाद का विकास एक विकल्प है न कि योग्यता।

विश्व इतिहास में हुई सभी प्रमुख घटनाएं जैसे साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद, औद्योगिक क्रांति, प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध (दूसरे पर अपनी जाति की श्रेष्ठता साबित करने का विकल्प) और वैश्वीकरण के परिणाम के रूप में अर्थव्यवस्थाओं की अन्योन्याश्रय, विश्व अर्थव्यवस्था का एक एकल वैश्विक अर्थव्यवस्था में त्वरित परिवर्तन सभी विभिन्न स्तरों पर और विभिन्न समयों पर चलने वाले विकल्पों के परिणाम हैं। वर्तमान में, कोरोना वायरस कोविड की महामारी प्रदर्शित करती है कि कैसे गलत विकल्प (उदाहरण यूएसए, इटली, स्पेन) एक बार अक्षमता की ओर ले जाता है और जब विकल्प समय पर किए जाते हैं (उदाहरण भारत), क्षमताओं में परिवर्तित हो सकते हैं।

जहां क्षमताओं को विकसित करना है, प्राप्त करना है या खो देना है, चुनाव करना है। क्षमताएं केवल किसी के द्वारा किए गए विकल्पों की उपज हैं और इसलिए एक बार क्षमता अंततः किसी की पसंद को दर्शाती है जबकि किसी की पसंद किसी की क्षमता को प्रतिबिंबित कर सकती है या नहीं। क्षमता आपको एक स्थान पर रख सकती है लेकिन यह अंततः पृष्ठभूमि में किसी की पसंद है जो उस स्थान पर रहते हुए किसी व्यक्ति, समाज, समुदाय या राष्ट्र-राज्य के लिए निर्णय लेने को नियंत्रित करती है। यह हमारी पसंद है जो दिखाती है कि हम वास्तव में क्या हैं। आइये नव वर्ष में अपनी पसंद को क्षमताओं में बदले।

डॉ. सत्यवान सौरभ,
बड़वा (सिवानी) भिवानी,
हरियाणा

क्रिसमस का इतिहास और महत्व

विश्वभर में प्रतिवर्ष 25 दिसम्बर को मनाया जाने 'क्रिसमस' पर्व ईसाई समुदाय का सबसे बड़ा त्यौहार है और संभवतः सभी त्यौहारों में क्रिसमस ही एकमात्र ऐसा पर्व है, जो एक ही दिन दुनियाभर के हर कोने में उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया जाता है। क्रिसमस पर्व वास्तव में धार्मिक मायनों में केवल एक महत्वपूर्ण त्यौहार ही नहीं है बल्कि इसका एक सांस्कृतिक नजरिया भी है। यह पर्व केवल एक दिन का उत्सव नहीं है बल्कि यह पूरे 12 दिन का पर्व है, जो क्रिसमस की पूर्व संध्या से शुरू हो जाता है। हिन्दुओं में जो महत्व दीवाली का है, मुस्लिमों में जितना महत्व ईद का है, वही महत्व ईसाईयों में क्रिसमस का है। जिस प्रकार हिन्दुओं में दीवाली पर अपने घरों को सजाने की परम्परा है, उसी प्रकार ईसाई समुदाय के लोग क्रिसमस के अवसर पर अपने घरों को सजाते हैं। इस अवसर पर शंकु आकार के विशेष प्रकार के वृक्ष 'क्रिसमस ट्री' को सजाने की तो विशेष महत्ता होती है, जिसे रंग-बिरंगी रोशनियों से सजाया जाता है। मान्यता है कि करीब दो हजार वर्ष पूर्व 25 दिसम्बर को ईसा मसीह ने समस्त मानव जाति का कल्याण करने के लिए पृथ्वी पर जन्म लिया था। तब पूरे रोम में धार्मिक आडम्बर चारों ओर फैले थे, रोम शासक यहूदियों पर अत्याचार करते थे, धनाढ्य वर्ग विलासितापूर्ण जीवन व्यतीत करता था जबकि गरीबों की हालत अत्यंत दयनीय थी। चारों ओर अशांति फैली थी, भाई-भाई का शत्रु बन गया था, धर्मस्थलों के पादरी अथवा पुजारी स्वार्थसिद्धि में लिप्त थे, छोटे-बड़े, अमीर-गरीब, ऊंच-नीच के बीच भेदभाव की गहरी खाई बन चुकी थी। ऐसे विकट समय में पृथ्वी पर जन्म लिया था यीशु (ईसा मसीह) ने। ईसाई धर्म के लोग मानते हैं कि ईसा के जन्म के साथ ही समूचे विश्व में एक नए युग का शुभारंभ हुआ था, यही कारण है कि हजारों वर्ष बाद भी उनके प्रति लोगों का वही उत्साह, वही श्रद्धा बरकरार है और 25 दिसम्बर की मध्य रात्रि को गिरिजाघरों के घड़ियाल बजते ही 'हैप्पी क्रिसमस' के उद्घोष के साथ जनसैलाब उमड़ पड़ता है, लोग एक-दूसरे को गले मिलकर बधाई देते हैं और आतिशबाजी भी करते हैं।

इस अवसर पर लोग गिरिजाघरों के अलावा अपने घरों में भी खुशी और उल्लास से ऐसे गीत गाते हैं, जिनमें ईसा मसीह द्वारा दिए गए शांति, प्रेम एवं भाईचारे के संदेश की महत्ता स्पष्ट परिलक्षित होती है।

हालांकि इस बात का कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं मिलता कि क्रिसमस का त्यौहार मनाने की परम्परा कब, कैसे और कहां से शुरू हुई थी लेकिन माना जाता है कि यह पर्व मनाने की शुरूआत रोमन सभ्यता के समय ईसा मसीह के शिष्यों ने ही की होगी। जिन ईसा मसीह की स्मृति में लोग क्रिसमस का त्यौहार मनाते हैं, उनका जन्म अत्यंत विकट परिस्थितियों में हुआ था। दिसम्बर के महीने की हाड़ कंपा देने वाली कड़ाके की ठंड में इसराइल के येरूसलम से 8 किलोमीटर दूर बेथलेहम नामक एक छोटे से गांव में आधी रात के वक्त खुले आसमान तले एक अस्तबल में एक गरीब यहूदी यूसुफ की पत्नी मरियम की कोख से जन्मे थे यीशु, जिनके जन्म की सूचना सबसे पहले हेरोद जैसे क्रूर सम्राट को नहीं बल्कि गरीब चरवाहों को मिली थी। माना जाता है कि ये चरवाहे उसी क्षेत्र में अपनी भेड़ों के झुंड के साथ रहा करते थे और जिस रात ईसा ने धरती पर जन्म लिया, उस समय ये लोग खेतों में भेड़ों के झुंड की रखवाली करते हुए आग ताप रहे थे। कहा जाता है कि मरियम जब गर्भवती थी तो एक रात गैबरियल नामक एक देवदूत मरियम के सामने प्रकट हुआ, जिसने मरियम को बताया कि उन्हें ईश्वर के बेटे की मां बनने के लिए चुना गया है। उन दिनों जनगणना का कार्य चल रहा था और तब यह प्रथा थी कि जनगणना के समय पूरा परिवार अपने पूर्वजों के नगर में एकत्रित होता था और वहीं परिवार के सभी सदस्यों का नाम रजिस्टर में दर्ज कराता था।

यूसुफ दाऊद के कुटुम्ब तथा देश का था, इसलिए गर्भवती मरियम को साथ लेकर वह भी नाम लिखवाने अपने पूर्वजों की भूमि बेथलेहम पहुंचा। जनगणना की वजह से बेथलेहम में उस समय बहुत भीड़ थी। वहां पहुंचकर युसूफ ने एक सराय के मालिक से रूकने के लिए जगह मांगी लेकिन सराय में बहुत भीड़ होने के कारण उन्हें जगह नहीं मिली। मरियम को गर्भवती देख सराय के मालिक को उस पर दया आई और उसने उन्हें घोड़ों के अस्तबल में ठहरा दिया। वहीं आधी रात के समय मरियम ने एक अति तेजस्वी पुत्र को जन्म दिया, जिसका 7 दिन बाद नामकरण संस्कार हुआ। बालक का नाम रखा गया 'जीजस', जिसे यीशु के नाम से भी जाना गया। यहूदियों के इस देश में उस समय रोमन सम्राट हेरोद का शासन था, जो बहुत पापी और अत्याचारी था। हेरोद को जीजस के जन्म की सूचना मिली तो वह बहुत घबराया क्योंकि भविष्यवक्ताओं ने भविष्यवाणी की थी कि यहूदियों का राजा इसी वर्ष पैदा होगा और उसके बाद हेरोद राजा नहीं रह सकेगा। हेरोद ने जीजस की खोज में अपने सैनिकों की टुकड़ियां भेजी लेकिन वे जीजस के बारे में कुछ पता नहीं लगा सके।

घोर गरीबी के कारण जीजस की पढ़ाई-लिखाई की व्यवस्था तो नहीं हो पाई पर उन्हें बाल्यकाल से ही ज्ञान प्राप्त था। गरीबों, दुखियों व रोगियों की सेवा करना उन्हें बहुत अच्छा लगता था। इतना ही नहीं, बड़े-बड़े धार्मिक नेता भी उनके सवाल-जवाबों से अक्सर चकित हो जाते थे। उन दिनों लोग मूर्तिपूजा किया करते थे और सर्वत्र धर्म के नाम पर आडम्बर फैला था। यीशु ने मूर्तिपूजा के स्थान पर एक निराकार ईश्वर की पूजा का मार्ग लोगों को बताया और उन्हें अपने हृदय में आविर्भूत ईश्वरीय ज्ञान का संदेश सुनाया। उनके उपदेशों से प्रभावित होकर उनके शिष्यों की संख्या दिनोंदिन बढ़ने लगी तथा उनकी दयालुता और परोपकारिता की प्रशंसा सर्वत्र फैल गई, जिससे यहूदियों के पुजारी और धर्म गुरू उनके घोर शत्रु बन गए।

एक बार यीशु प्रार्थना कर रहे थे तो उन्हें अपना शत्रु मान चुके यहूदियों के पुजारी व धर्मगुरू उनको पकड़कर ले गए। जब उन्हें न्यायालय में उपस्थित किया गया तो न्यायाधीश ने राजा और धर्मगुरूओं के दबाव में यीशु को प्राणदंड की सजा सुना दी। यहूदियों ने यीशु को कांटों का ताज पहनाया और फटे कपड़े पहनाकर कोड़े मारते हुए उन्हें पूरे नगर में घुमाया। फिर उनके हाथ-पांवों में कीलें ठोंककर उन्हें 'क्रॉस' पर लटका दिया गया लेकिन यह यीशु की महानता ही थी कि इतनी भीषण यातनाएं झेलने के बाद भी उन्होंने ईश्वर से उन लोगों के लिए क्षमायाचना ही की। सूली पर लटके हुए भी उनके मुंह से यही शब्द निकले, ''हे ईश्वर! इन लोगों को माफ करना क्योंकि इन्हें नहीं पता कि ये क्या कर रहे हैं? ये अज्ञानवश ही ऐसा कर रहे हैं।'' उसके बाद से ही ईसाई समुदाय द्वारा 25 दिसम्बर अर्थात् ईसा मसीह के जन्मदिवस को क्रिसमस के रूप में मनाया जाने लगा। वास्तव में ईसा मसीह का जन्म ही धर्म और मानवता की स्थापना करने तथा पृथ्वी समस्त मानव जाति को दुख और अंधकार से बचाने के लिए हुआ था।

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,
नई दिल्ली

कश्मीर में प्रदूषण:चिंता तो गहरी है

भारत के प्रदूषित शहरों की तुलना में साफ एवं स्वच्छ शहरों की चर्चा होती है तो बरबस ही लोगों की जुबान पर पहाड़ी क्षेत्रों के राज्यों के नाम आ जाते हैं।

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वोत्तर के राज्य या दक्षिणी भारत राज्यों के शहरों का नाम प्रमुखता से लिए जाते हैं। इनमें भी नदी, पहाड़, जंगल और बर्फीली वादियों की अनुपम छटाओं के कारण कश्मीर को तो भारत का स्वर्ग कहा जाता है। मगर इस स्वर्ग में भी प्रदूषण के कारण नारकीय स्थिति बनना शुरू हो जाए तो कितनी अचंभे वाली बात है। जी हां, देश के अन्य प्रदूषित शहरों की तुलना में जम्मू-कश्मीर राज्य पीछे नहीं है।

जानकारी के मुताबिक जम्मू-कश्मीर में प्रदूषण से हर साल करीब 10 हजार लोग अपनी जान गंवा रहे हैं यानी कश्मीर में अब जहरीली हवा चलने लगी है। यहां श्रीनगर जैसे शहर का एक्यूआई स्तर 150 से ज्यादा होने लगी है। ऐसा माना जा रहा है कि यहां प्रदूषण आतंकवाद से भी ज्यादा खतरनाक हो गया है। आंकड़े बताते हैं कि इस साल आतंकवाद की वजह से करीब 250 लोगों की मौत हुई जबकि प्रदूषण ने 10 हजार लोगों की जान ले ली। यह दावा वहां के सबसे बड़े अस्पताल शेर-ए-कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान ने किया है।

संस्थान के विशेषज्ञों के मुताबिक वहां की हवा में पार्टिकुलेट मैटर 2.5 होने की वजह से ये मौतें हो रही हैं। सोचने वाली बात तो यह है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी 2018 में श्रीनगर को दुनिया के 10 में सबसे प्रदूषित शहर के रूप में घोषित किया था। ज्ञात हो कि 108 देशों और 4300 शहरों में सर्वे किए जाने के बाद यह घोषणा की गई थी। यदि अन्य कारणों पर गौर किया जाए तो यहां की घाटी में सर्दियों के दौरान खूब लकड़ियां जलाई जाती हैं। दूरदराज के इलाकों में बिजली और गैस की सुविधा नहीं हैं। कश्मीर में करीब 20 लाख पेट्रोल-डीजल वाहन हैं, और 24 प्रतिशत घरों में चौपहिया वाहन हैं, जो केरल के बाद सबसे ज्यादा हैं। जबकि उत्तर प्रदेश जैसे कई राज्यों में अभी भी मात्र 7 प्रतिशत से अधिक चौपहिया वाहन नहीं हैं। कश्मीर में सेब, अखरोट, बादाम समेत करोड़ों की संख्या में फलदार पेड़ हैं। फसल उतारने के बाद इनके पत्तों को यहां पराली की तरह जला दिया जाता है। इसी तरह हर साल वहां 1246 टन कोयला जलता है जो वार्षिक उत्सर्जन का 84त्न है। इसके अलावा ईट भट्टे और सीमेंट की फैक्ट्री भी संचालित होती हैं। जम्मू-कश्मीर हिमालय पर्वत श्रृंखला के सबसे ऊंचे हिस्सों में स्थित है। कश्मीर और लद्दाख का इलाका अपनी विशिष्ट संस्कृति के लिए जाना जाता है। कश्मीर की संस्कृति की झलक इतिहास प्रसिद्ध कल्हण जैसे लेखकों की कलम से भी उकेरा गया। मुगल बादशाह तो यहां कि खुबसुरती से इस कदर प्रभावित थे कि उन्होने इस पूरे क्षेत्र को धरती पर स्वर्ग की उपमा दे डाली दी। आज हर कोई इसे धरती पर स्वर्ग कहने से गुरेज नहीं करता। अपने प्राकृतिक सौंदर्य के कारण ही कश्मीर को धरती का स्वर्ग कहा गया है।

-सुशील देव-

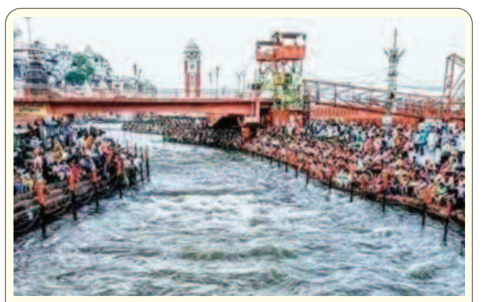

गंगा जल

अमेरिका में एक लीटर गंगाजल 250 डालर में क्यों मिलता है ? सर्दी के मौसम में कई बार खांसी हो जाती है। जब डॉक्टर से खांसी ठीक नही हुई तो किसी ने बताया कि डाक्टर से खांसी ठीक नहीं होती तब गंगाजल पिलाना चाहिए।

गंगाजल तो मरते हुए व्यक्ति के मुंह में डाला जाता है, हमने तो ऐसा सुना है ; तो डॉक्टर साहिब बोले- नहीं ! कई रोगों का इलाज भी है। दिन में तीन बार दो-दो चम्मच गंगाजल पिया और तीन दिन में खांसी ठीक हो गई। यह अनुभव है, हम इसे गंगाजल का चमत्कार नहीं मानते, उसके औषधीय गुणों का प्रमाण मानते हैं।

कई इतिहासकार बताते हैं कि सम्राट अकबर स्वयं तो गंगा जल का सेवन करता ही था, मेहमानों को भी गंगा जल पिलाता था। इतिहासकार लिखते हैं कि अंग्रेज जब कलकत्ता से वापस इंग्लैंड जाते थे, तो पीने के लिए जहाज में गंगा का पानी ले जाते थे, क्योंकि वह सड़ता नहीं था। इसके विपरीत अंग्रेज जो पानी अपने देश से लाते थे वह रास्ते में ही सड़ जाता था।

करीब सवा सौ साल पहले आगरा में तैनात ब्रिटिश डाक्टर एमई हॉकिन ने वैज्ञानिक परीक्षण से सिद्ध किया था कि हैजे का बैक्टीरिया गंगा के पानी में डालने पर कुछ ही देर में मर गया। दिलचस्प ये है कि इस समय वैज्ञानिक भी पाते हैं कि गंगा में बैक्टीरिया को मारने की गजब की क्षमता है। लखनऊ के नेशनल बोटैनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट एनबीआरआई के निदेशक डॉक्टर चंद्र शेखर नौटियाल ने एक अनुसंधान में प्रमाणित किया है कि गंगा के पानी में बीमारी पैदा करने वाले ई-कोलाई बैक्टीरिया को मारने की क्षमता बरकरार है। डॉ नौटियाल का इस विषय में कहना है कि गंगा जल में यह शक्ति गंगोत्री और हिमालय से आती है।

गंगा जब हिमालय से आती है तो कई तरह की मिट्टी, कई तरह के खनिज, कई तरह की जड़ी बूटियों से मिलती मिलाती है। कुल मिलाकर कुछ ऐसा मिश्रण बनता है- जिसे हम अभी तक नहीं समझ पाए हैं। डॉक्टर नौटियाल ने परीक्षण के लिए तीन तरह का गंगा जल लिया था। उन्होंने तीनों तरह के गंगा जल में ई-कोलाई बैक्टीरिया डाला। नौटियाल ने पाया कि ताजे गंगा पानी में बैक्टीरिया तीन दिन जीवित रहा, आठ दिन पुराने पानी में एक हफ्ते और सोलह साल पुराने पानी में 15 दिन। यानी तीनों तरह के गंगा जल में ई-कोलाई बैक्टीरिया जीवित नहीं रह पाया।

वैज्ञानिक कहते हैं कि गंगा के पानी में बैक्टीरिया को खाने वाले बैक्टीरियोफाज वायरस होते हैं। ये वायरस बैक्टीरिया की तादाद बढ़ते ही सक्रिय होते हैं और बैक्टीरिया को मारने के बाद फिर छिप जाते हैं। मगर सबसे महत्वपूर्ण सवाल इस बात की पहचान करना है कि गंगा के पानी में रोगाणुओं को मारने की यह अद्भुत क्षमता कहाँ से आती है?

दूसरी ओर एक लंबे अरसे से गंगा पर शोध करने वाले आईआईटी रुड़की में पर्यावरण विज्ञान के रिटायर्ड प्रोफेसर देवेंद्र स्वरुप भार्गव का कहना है कि गंगा को साफ रखने वाला यह तत्व गंगा की तलहटी में ही सब जगह मौजूद है। डाक्टर भार्गव कहते हैं कि गंगा के पानी में वातावरण से आक्सीजन सोखने की अद्भुत क्षमता है। भार्गव का कहना है कि दूसरी नदियों के मुकाबले गंगा में सड़ने वाली गंदगी को हजम करने की क्षमता 15 से 20 गुना ज्यादा है।

गंगा *माता* इसलिए है कि गंगाजल अमृत है, जब तक अंग्रेज किसी बात को प्रमाणित नहीं करते तब तक भारतीय लोग सत्य नहीं मानते। भारतीय लोग हमारे सनातन ग्रन्थों में लिखी किसी भी बात को तब तक सत्य नहीं मानेंगे जब तक कि कोई विदेशी वैज्ञानिक या विदेशी संस्था उस बात की सत्यता की पुष्टि नहीं कर दे। इसलिए इस आलेख के वैज्ञानिकों के वक्तव्य बीबीसी हिन्दी सेवा से साभार लिये गये हैं...

*हर हर गंगे...

श्री रामचरितमानस प्रेमी
Krishna Kumar Tamrakar · 14h

यादों का कोहरा

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

सांस लेना है सजा, अब बेमज़ा है जिंदगी।
आती जाती सांसों की, बस रज़ा है जिंदगी।
याद हैं आने लगे वो, गुज़रे लम्हें आज फिर,
रंग बदलते इस जहां में, अब सज़ा है जिंदगी।
है बड़ा ये अज़नबी,शहर अब आ जाओ तुम,
यादों का कोहरा समेटे, ये फ़ज़ा है जिंदगी।
था भरा ज़ख्मों से दिल,बिस्मिल हुआ बेज़ार यूं ,
ढूंढता है फिर वही,खोई अजा है जिंदगी।
हो न जाना कैद यूं,बिखर न जाए वजूद,
कफ़स फिर से देखता है,ये कज़ा है जिंदगी।
स्वाती की नज़रो से शबनम,की लड़ी झरने लगी,
कदमों को उनके खंगाले, तो बजा है जिंदगी।

कब आओगे

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

वो मानव क्या जिसमें ना हो कोई करुणा
जो प्रेम रहित हो जिसमें केवल बसी घृणा
एक सदी से रहे पिपासु जल ना पाया
अब झरने मिले तो नहीं रही कोई मन में तृष्णा
भाग दिए जो जीवन में सम्बन्ध कमाए
कोई कैसे बंटवारे को फिर से करे गुणा
बाट निहारूँ मीरा बन मैं प्रेम पुजारी
कब आओगे मेरे मन आंगन में मोरे कृष्णा
दुःख के गीत भी पूरे मन से हम गाते हैं
कोई छेड़े जो आशाओं वाले तार की वीणा

वेणीवजूद

ओमप्रकाश बिन्जवे राजसागर
भोपाल,मध्यप्रदेश

मेरे वजूद को झुठला रहा है वो।
याने के मुझ से खौफ खा रहा है वो।
हम ने ही चलना सिखाया था कभी,
मुझको ही रास्ता दिखला रहा है वो।
सच में वो कोई दीवाना है दोस्तों,
हथेली पे सरसों उगा रहा है वो।
युग बीत गए वो रूठे है हम से,
जाने क्यूँ लगता है, बुला रहा है वो।
दिल पे गहरी चोट लगी है सागर,
पलकों पे नमी,मुस्कुरा रहा है वो।

लक्ष्य

आशीष शर्मा अमृत
जयपुर, राजस्थान

अपना जोश जगा कर रखो
नया दिन तो रोज़ ही आएगा
अपने साथ ना जाने कितने
अवसर साथ लेकर आएगा
उम्मीद को तुम जगा के रखो
मेहनत का रंग नज़र आएगा
तुमने ख़्वाब सजाए हैं जितने
वो पूरा होने का वक़्त आएगा
अपने हौसले को बना के रखो
मंज़िल का रास्ता नज़र आएगा
तुमने जो लक्ष्य तय किए उतने
निश्चित ही पूरा अब कर पाएगा

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

रात 12 बजते ही प्रभु यीशु मना जन्मोत्सव, गिरजाघरों में हुए विविध आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

प्रभु यीशु के जन्मदिन पर गिरिजाघरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। वहीं मसीही समाज के लोग अपने-अपने घरों को भी रंग-बिरंगी रोशनी से सजाए थे। 24 दिसंबर को शाम होते ही काफी संख्य में समाज के महिला-पुरूष व बच्चे गिरजाघरों में पहुंचना शुरू कर दिए थे। रात 9 बजे से अनुष्ठान शुरू हो गए थे। मुख्य आयोजन नावापारा गिरजाघर में आयोजित किया गया था। यहां काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। रात 12 बजते ही गिरिजाघर का घंटा बजते ही लोग प्रभु यीशु के जन्मोत्व मनाने में जुट गए। आतिशबाजियां शुरू हो गई। गिरजाघरों सहित समाज के लोगों ने अपने-अपने घरों में केक काट काटा और जश्न मनाया। इसके बाद बधाई का सिलसिला शुरू हो गया। नवापारा गिरजाघर के अलावा बिशप हाउस में क्रिसमस को लेकर आकर्षक चरनी सजाए गए थे। क्रिसमस ट्री, विशेष लाइटिंग से चरनी जगमगा रहा था। 24 दिसंबर की रात 12 बजते ही लोगों ने केक काट कर जश्न मनाया और एक दूसरे को बधाइयां दीं। वहीं श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए गिरजाघरों में विशेष व्यवस्था की गई थी। रात 12 बजे जैसे ही गिरजाघरों का घंटा बजा लोग जश्न में डूब गए। विशप अंतोनिश बड़ा की अगुवाई में प्रभु यीशु का जन्म कराया गया। इसके साथ ही लोगों ने केक काटा और आतिशबाजी शुरू कर दी। इसके बाद धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो गया। वहीं लोगों ने पूरी रात नाचते गाते नजर आए।

मुख्यमंत्री की घोषणा पर हुआ त्वरित अमल

» पंडो,चेरवा और बंग समाज के लिए सामुदायिक भवन हेतु भूमि आबंटित

» मुख्यमंत्री की घोषणा पर भूमि आबंटन के मामले में सरगुज़ा बना संभाग का पहला जिला

अम्बिकापुर, 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की प्रदेश व्यापी भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान जिले में विभिन्न कार्यक्रमों में की गई घोषणाओं का जिला प्रशासन द्वारा त्वरित अमल किया जा रहा है। इसी कड़ी में पंडो, चेरवा एवं बंग समाज हेतु सामुदायिक भवन निर्माण हेतु भूमि आबंटन की प्रक्रिया पूर्ण कर जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री की घोषणा का अमल किया गया है। मुख्यमंत्री के द्वारा भेंट मुलाकात कार्यक्रम में विभिन्न समाजों को सामुदायिक भवन निर्माण हेतु भूमि आबंटन की घोषणा को पूरा करने के मामले में सरगुज़ा जिला संभाग का पहला जिला है। जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार पण्डो समाज के लिए ग्राम सुभाष नगर में खसरा क्रमांक 117 रकबा 0.202 हेक्टेयर, चेरवा समाज के लिए ग्राम सुभाषनगर में खसरा क्रमांक 319/1 रकबा 0.202 हेक्टेयर तथा बंग समाज के लिए सुभाष नगर मे ही खसरा नंबर 54 रकबा 0.230 हेक्टेयर सामुदायिक भवन निर्माण हेतु आबंटित की गई है। जिले में मुख्यमंत्री की घोषणाओं के त्वरित अमल के लिए कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के द्वारा प्रकरण से संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्यवाही के निर्देश दिया गया है एवं प्रकरणो पर स्वयं मॉनिटरिंग कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि विगत 10 मई को सर्किट हाउस अम्बिकापुर में आयोजित विभिन्न समाज के प्रतिनिधिमंडलों के मुलाकात कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के द्वारा चेरवा, पंडो व बंग समाज के प्रतिनिधिमंडलों की मांग पर सामुदायिक भवन हेतु जमीन आबंटित करने की घोषणा की गई थी।

मनरेगा कर्मचारियों ने अपनी तीन प्रमुख मांगों को लेकर शहर में निकाली रैली

अंबिकापुर, 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

अपनी तीन प्रमुख मांगों को लेकर मनरेगा कर्मचारियों ने शहर में रैली निकाल कर विरोध प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ मनरेगा कर्मचारी महासंघ के बैनर तले न्याय रैली निकाल कर प्रदर्शन किया। प्रमुख मांगों में चुनावी जनघोषणा पत्र पर वर्ष 2018 को आत्मसात करते हुए समस्त मनरेगा कर्मचारियों को नियमितिकरण किया जाए। नियमितिकरण की प्रक्रिया पूर्ण होने तक ग्राम रोजगार सहायकों का वेतनमान निर्धारण करते हुए समस्त मनरेगा कर्मियों का सिविल सेवा नियम 1966 के साथ पंचायत कर्मी नियमावली लागू किया जाए। अनिश्चितकालीन हड़ताल अवधि 72 दिवस का लंबित वेतन, मानदेय भुगतान किए जाने की मांग की है।

जिला उपभोक्ता आयोग अंबिकापुर सरगुजा हेतु नियमित अध्यक्ष एवं सदस्यों के नियुक्ति की मांग

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के उपलक्ष पर शनिवार को सरगुजा सोसायटी फॉर फास्ट जस्टिस के अध्यक्ष डीके सोनी के साथ अधिवक्ता व पीड़ित उपभोक्ताओं ने जिला उपभोक्ता आयोग सरगुजा अंबिकापुर के समक्ष धरना देकर पीड़ित उपभोक्ताओं के सुनवाई व न्याय पाने के अधिकार के लिए न्याय व्यवस्था की पुनः बहाली किए जाने की मांग की।

सोसायटी फॉर फास्ट जस्टिस के अध्यक्ष डीके सोनी ने कहा कि देश में यह एकलौता मामला होगा जिसमें राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस को पीड़ित उपभोक्ता, अधिवक्ता व कोई संस्था उपभोक्ता न्याय व्यवस्था की पुनः बहाली की मांग को लेकर जिला उपभोक्ता आयोग के समक्ष धरना दिया हो। उन्होंने कहा कि 18 वर्षों से पीड़ित उपभोक्ताओं के सुनवाई के लिए कार्यरत जिला उपभोक्ता आयोग पिछले 22 माह से अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्तियों की प्रतीक्षा में उपभोक्ताओं के न्याय दिलाने में असमर्थ है।

ये है प्रमुख मांगें जिला उपभोक्ता आयोग सरगुजा अंबिकापुर हेतु नियमित अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति करने हेतु आवश्यक पहल करें। जिला उपभोक्ता आयोग सूरजपुर, बलरामपुर और जशपुर को नियमित सुनवाई हेतु प्रतिदिन के लिए जिला आयोग का गठन किया जाए। माननीय सुप्रीम कोर्ट में प्रकरण सु मोटो रिट पिटीशन सिविल 2/2021 के निर्देशों के पालनार्थ सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर तथा जशपुर हेतु अध्यक्षों, सदस्यों और कर्मचारियों की नियुक्ति, आधारभूत संरचनाओं का निर्माण, मध्यस्था सेल तथा ई-फाईलिंग जैसी मुलभुत आवश्कताओं की पूर्ति हेतु तत्काल आवश्यक कार्यवाही करें।

उक्त धरना में अजय गौतम, विकास अग्रवाल, धनंजय तिवारी, जे पी गुप्ता, विमलेश साहू, शैलेंद्र वर्मा, गुलाब रानी शर्मा, अधिवक्तागण और पीड़ित उपभोक्ता विजेंद्र गुप्ता तथा कई अधिवक्ता और उपभोक्ता उपस्थित थे।

सिम्स बिलासपुर के डॉक्टर समीर जैन होंगे अंबिकापुर शिशु रोग विभाग के विभागाध्यक्ष

अम्बिकापुर, 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंह देव चिकित्सा महाविद्यालय में नवजात शिशुओं के मौत के मामले में एक और बड़ी कार्रवाई हुई है। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव के निर्देश पर सिम्स बिलासपुर के शिशु रोग विशेषज्ञ सहायक प्रध्यापक डॉ. समीर जैन का स्थानांतरण अम्बिकापुर मेडिकल कालेज कर शिशु रोग विभाग का विभागाध्यक्ष बनाया गया है। शिशु रोग विभाग की सहायक प्रध्यपक और तत्कालीन विभागाध्यक्ष डॉ. सुमन तिर्की की एक वेतन वृद्धि भी रोकी गई है। उन्हें विभागाध्यक्ष पद से हटाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। संतोषजनक जवाब न मिलने की स्थिति में कार्रवाई की गई है। उल्लेखनीय है कि विगत 5 दिसम्बर को देवेंद्र कुमारी सिंह देव चिकित्सा महाविद्यालय में 4 नवजात शिशुओं की मौत हो गई थी। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने मामले में कड़ा कार्रवाई का संकेत दिया था। चिकित्सको की लापरवाही सामने आने पर निरन्तर कार्रवाई हो रही है। दो चिकित्सको के निलंबन, शिशुरोग विभाग का विभागाध्यक्ष एवं एमएस को बदलने की कार्रवाई की जा चुकी है।

एपीआई सरगुज़ा चैप्टर के डॉ टोप्पो अध्यक्ष डॉ अर्पण सचिव बने

अम्बिकापुर, 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

चिकित्सकों के प्रतिष्ठित संगठन द एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया सरगुजा चैप्टर का गठन गत दिवस किया गया। सर्व सम्मति से अध्यक्ष डॉ. अशोक टोप्पो, सचिव डॉ. अर्पण सिंह चौहान, उपाध्यक्ष डॉ. हर्षप्रित सिंह और कोषाध्यक्ष डॉ. रितेश गुप्ता को मनोनीत किया गया है। मैनपाठ में आयोजित इस कार्यक्रम देवेंद्र कुमारी सिंहदेव चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. रमनेश मूर्ति, पूर्व चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह, डा. कलवित डायबिटोलॉजिस्ट बिलासपुर, डॉ. जेके सिंह, डॉ. एमपी अग्रवाल, डॉ. प्रभात पांडेय राष्ट्रीय सदस्य एपीआई डॉ. बीके सिंह अध्यक्ष बिहार चैप्टर सहित छत्तीसगढ़ के 80 से ज्यादा चिकित्सक उपस्थित थे।

22582 किसानों ने बेचा 102273 क्विंटल धान

अम्बिकापुर, 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जिले में अब तक 22 हजार 582 किसानों ने 1 लाख 2 हजार 273 क्विंटल धान बेचा है। खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में विगत 1 नवम्बर से समर्थन मूल्य में धान खरीदी चल रही है। जिले में इस वर्ष 47 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से धान खरीदी की जा रही है। प्रतापगढ़ एवं सीतापुर केंद्र में सर्वाधिक 54435 क्विंटल एवं 48048 क्विंटल धान खरीदी की गई है। धान खरीदी के साथ ही शेष रकबा को किसानों से समर्पण भी कराया जा रहा है। अब तक 8722 किसानों से 461 हेक्टेयर रकबा समर्पण कराया गया है जो संभाग के जिलों में दूसरा सर्वाधिक है।

26 दिव्यांग बच्चों का हुआ मेडिकल परीक्षण

» कलेक्टर के हाथों दिव्यांग बच्चों को मिला मेडिकल सर्टिफिकेट

» हियरिंग उपकरण मिलने से बच्चों के खिले चेहरे

» सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में होगा श्रवण बाधित बच्चों का ऑडियोमैट्री टेस्ट

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार श्रवण बाधित, सिकलसेल एवं एमआर से ग्रसित 26 बच्चां का मेडिकल परीक्षण स्पेशल मेडिकल बोर्ड द्वारा शनिवार को अम्बिकापुर जिला चिकित्सालय में किया गया। परीक्षण उपरांत 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले बच्चों को कलेक्टर के हाथों मेडिकल सार्टिफिकेट मिला। इस दौरान श्रवण बाधित बच्चों को श्रवण यंत्र चिकित्सकों द्वारा परीक्षण कर बच्चों के कान में लगाया गया। श्रवण यंत्र लगने से पहली बार बच्चों को आवाज साफ सुनाई देने लगा जिससे बच्चों के चेहरे खिल उठे और उनके अभिभावक भी खुश हुए। ये सभी बच्चे प्राथमिक से लेकर हाई स्कूल तक के बच्चे थे। दो दिन में 42 दिव्यांग बच्चों का मेडिकल जांच कराया गया है। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने इस दौरान श्रवण बाधित बच्चों के परीक्षण के लिए सभी सामुदायिक स्कृस्थ्य केन्द्रों में ऑडिओमेट्री जांच की व्यवस्था तथा एक मोबाइल ऑडिओमेट्री वेंन की व्यवस्था हेतु आवश्यक कार्ययोजना बनाने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को तथा एमआर से पीड़ित बच्चों की शिक्षा के लिए आइडियल रीसोर्स सेंटर की स्थापना के लिए सर्व शिक्षा अभियान के अधिकारियों को दिए। शनिवार को मैनपाट जनपद के 17 व अम्बिकापुर जनपद के 9 दिव्यांग बच्चों का मेडिकल परीक्षण कराया गया।

ज्ञातव्य है कि कलेक्टर के निर्देश पर इस शुक्रवार एवं शनिवार से जिला चिकित्सालय में मेंडिकल बोर्ड के द्वारा जांच किया जा रहा है। अब हर शुक्रवार व शनिवार को दिव्यांग बच्चों की जांच मेडिकल बोर्ड द्वारा जिला चिकित्सालय में होगी। बच्चां को उनके घरों से चिरायु के वाहन द्वारा जिला अस्पताल लाया जाएगा। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप, नगर निगम आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगई, डीन डॉ आर्या, उप संचालक समाज कल्याण श्री डीके राय, सर्व शिक्षा अभियान के जिला समन्वयक श्री रविशंकर तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कपसरा महान-1 एसईसीएल खदान में मारपीट की घटना को अंजाम देने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार,थाना भटगांव पुलिस की कार्यवाही

- संवाददाता -
सूरजपुर, 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

दिनांक 15.12.2022 को एसईसीएल महान-1 खदान के सुरक्षा प्रभारी शंभूनाथ सिंह ने थाना भटगांव में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 14.12.22 के रात्रि में महान-1 ओसीएम बंद खदान वर्कशॉप स्टोर में हरगोविन्द सिंह व संतोष की ड्यूटी स्टोर ऑफिस में लगी थी, रात्रि करीब 1.30 बजे स्टोर ऑफिस तरफ हल्ला होने पर ओमकार सिंह के साथ जाकर देखे कि हरगोविन्द के सिर में चोट लगा था खून निकल रहा था पूछने पर हरगोविन्द ने अज्ञात चोरों के पत्थर फेंककर मारने से नहीं हटने पर पप्पू निशाद के द्वारा डण्डा से मारपीट कर चोट पहुंचा। रिपोर्ट पर थाना भटगांव में अपराध क्रमांक 245/22 धारा 307, 457, 294, 506, 336, 323, 34 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्व किया गया। मामला पंजीबद्ध होने के बाद थाना भटगांव पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए पूर्व में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था व अन्य फरार आरोपियों की पतासाजी की जा रही थी।

पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू ने मामले में संलिप्त आरोपियों की पतासाजी करते हुए शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश थाना प्रभारी भटगांव शरद चन्द्रा को दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व डीएसपी मुख्यालय नंदिनी ठाकुर के मार्गदर्शन में थाना भटगांव की पुलिस आरोपियों की धरपकड़ हेतु लगातार दबिश दे रही थी इसी बीच मुखबीर की सूचना पर घटना के मुख्य आरोपी पप्पू निशाद पिता श्याम सुन्दर निशाद उम्र 35 वर्ष निवासी बाजारपारा, थाना भटगांव को घेराबंदी कर शनिवार को पकड़ा गया। पूछताछ पर आरोपी ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया, मामले में आरोपी को विधिवत् गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी भटगांव शरद चंद्रा, प्रशिक्षु डीएसपी दीपमाला कुर्रे, एसआई सी.पी.तिवारी, बृजमोहन गुप्ता, प्रधान आरक्षक संजय चौहान, पूरन राजवाड़े, आरक्षक ताराचंद यादव, शैलेश राजवाड़े, प्रहलाद पैंकरा, गिरजा शंकर, रजनीश पटेल, प्रकाश साहू, मनोज जायसवाल, संतोष जायसवाल, व भुनेश्वर पाटले सक्रिय रहे।

आपत्तिजनक फोटो-वीडियो भेजकर प्रताड़ित करने वाला आरोपी गिरफ्तार

» आरोपी से घटना मे प्रयुक्त मोबाइल एवं सिम किया गया जब्त

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

प्रार्थिया द्वारा थाना गांधीनगर उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा प्रार्थिया को उसके मोबाइल पर सोशल मीडिया के माध्यम से आपत्तिजनक फोटो विडिओ भेजकर एवं विडिओ कॉल कर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा हैं,प्रार्थिया कि रिपोर्ट पर सदर धारा 509 (ख) का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज राम गोपाल गर्ग के सतत मार्गदर्शन मे पुलिस अधीक्षक सरगुजा भावना गुप्ता के निर्देशन में महिला उत्पीडन् सम्बन्धी अपराधो में त्वरित कार्यवाही कर आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार करने हेतु दिशा निर्देश दिए गए थे, इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, नगर पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक डॉ प्रशांत देवांगन के नेतृत्व में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक कलीम खान द्वारा

मामले की जाँच विवेचना कर एक विशेष टीम गठित कर आरोपी को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा था।

दौरान जांच विवेचना गठित पुलिस टीम द्वारा साइबर सेल से तकनिकी जानकारी प्राप्त कर पुलिस टीम को गुना मध्यप्रदेश भेजा गया था, जो पुलिस टीम के सतत प्रयास से आरोपी ललित मीना साकिन गुना मध्यप्रदेश की घेराबंदी कर पकड़कर घटना के संबंध में पूछताछ किया गया, जो आरोपी द्वारा अपने मोबाइल से प्रार्थिया के मोबाइल नंबर पर सोशल मीडिया के माध्यम से आपत्तिजनक फोटो विडिओ भेजकर, विडिओ कालिंग कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करना स्वीकार किया गया, जो आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जाता हैं, आरोपी से घटना मे प्रयुक्त मोबाइल एवं सिम जप्त किया गया। संपूर्ण कार्यवाही में प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक डॉ प्रशांत देवांगन,थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक कलीम खान, सउनि डी एन यादव महिला प्रधान आरक्षक राधा यादव, आरक्षक अरविंद उपाध्याय, अमृत सिंह शामिल रहे।

क्या जिला विभाजन के बाद मूल जिला हर चीज के लिए तरस रहा,नवीन जिला को बिना मांगे सब कुछ मिल रहा है?

» मूल जिला हर पहलू पर हो रहा कमजोर क्या यह है राजनीतिक षड्यंत्र?

» जिला प्रशासन में अधिकारियों की कमी,पुलिस बल में कमी, क्या अब यह जिला कमियों के साथ ही चलेगा?

» कोरिया में डिप्टी कलेक्टर के 7 पद स्वीकृत पर 2 डिप्टी कलेक्टर पदस्थ ऐसे में कैसे आएगी प्रशासनिक कसावट?

» विभाजन के बाद कोरिया में प्रशासनिक कसावट ध्वस्त,कलेक्टोरेट में अनुभवी अधिकारियों की दिख रही कमी?

» डिप्टी कलेक्टर के पद भी आधे से ज्यादा रिक्त,दोहरा प्रभार संभाल रहीं बैकुंठपुर एसडीएम अंकिता सोम

» जिम्मेदार जनप्रतिनिधि भी नही दे रहे ध्यान,जनता हो रही परेशान

» कार्यालयीन सूत्रो की माने तो कई बार फाईलो में हस्ताक्षर को लेकर अधीनस्थ कर्मियों से उनकी बहस भी हो चुकी है

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोरिया का विभाजन हो गया है इस विभाजन के साथ कोरिया में सब कुछ विभाजित हो गया पर यदि कुछ नहीं हो पाई तो वह है समस्या, ऐसा प्रतीत हो रहा है कि पुराने जिले को समस्या में डालकर नए जिले पर ही सरकार का फोकस है, पुराना जिला तो अब पुराना ही रह गया, जबकि वहीं इस 22 साल के जिले को लोग युवा जिला मान रहे थे, आज यह युवा जिला हर चीजों के लिए क्यों तरस रहा है? कहीं इस जिले के पीछे राजनीतिक षड्यंत्र तो नहीं? आखिर मूल जिला ही सुविधाओं के लिए तरस रहा बाकी नवीन जिले को तो बिना मांगे ही सब कुछ मिल रहा है, सुविधा का तो पता नहीं पर कमी तो है यह सब कुछ दिख रहा।

कोरिया जिले के विभाजन के बाद अब यहां प्रशासनिक व्यवस्था भी चरमरा गई है, समय पर न तो शासकीय फाईल निपट पा रहा है और न ही आमजन का काम। हालात यह है कि कलेक्टोरेट में अनुभवी अधिकारियों की कमी के साथ ही डिप्टी कलेक्टर के पद भी आधे से अधिक रिक्त हैं, संयुक्त कलेक्टर अंकिता सोम के पास दोहरा प्रभार है वे बैकुंठपुर एसडीएम का काम भी संभाल रही हैं। जिससे कि कलेक्टोरेट में जिस शाखा की ओआईसी हैं वहां से लेकर संयुक्त कलेक्टर के कामकाज पर भी असर पड़ रहा है। एक तरफ शासकीय कर्मचारी हैं जो कि फाईल को लेकर उलझे हुए हैं तो वहीं आमजन का काम जो कि अधिकारियों से संबंधित है वह समय पर नहीं हो पा रहा है। यहां के जिम्मेदार जनप्रतिनिधि भी शासकीय कार्यक्रम में शामिल होकर फोटो खिंचाने तक सीमित रह गए हैं, उन्हें अपनी जिम्मेदारी का थोड़ा भी एहसास नहीं है।

जिले में सिर्फ दो डिप्टी कलेक्टर,पद 7- कोरिया जिले में डिप्टी कलेक्टर के कुल 7 पद स्वीकृत हैं, लेकिन इनमें से मात्र 2 डिप्टी कलेक्टर पदस्थ हैं। एक डिप्टी कलेक्टर अमित सिन्हा को सोनहत एसडीएम बनाया गया है जबकि एक अन्य डिप्टी कलेक्टर अरूण सोनकर हैं जो कि कलेक्टोरेट में ही पदस्थ हैं लेकिन उनके पास नाममात्र की शाखा है। डिप्टी कलेक्टर के 5 पद रिक्त हैं, पद रिक्त होने के कारण शासकीय कामकाज पर असर पड़ रहा है। डिप्टी कलेक्टर के होने से शासकीय

कामकाज आसानी से समय पर निपट सकता है, लेकिन कमी के कारण कोई भी फाईल समय पर नहीं हो रहा है। विभागीय कर्मचारी भी इससे खासे परेशान रहते हैं, डिप्टी कलेक्टरो को विभिन्न शाखाओं के प्रभारी अधिकारी का काम दिया जाता है जिससे कि सभी महत्वपूर्ण फाईलें उन्हीं के माध्यम से होकर आगे कलेक्टर तक बढती है लेकिन डिप्टी कलेक्टरों की भारी कमी के कारण समय पर फाईल आगे नहीं बढ़ पा रही है। कार्यालयीन कामकाज हो या फिर आम जन का काम,सभी वर्ग को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया जाता है कि वे कई शाखाओं के ओआईसी हैं लेकिन बताया जाता है कि फाईल आगे बढ़ाने में सबसे ज्यादा उन्हीं के द्वारा या तो विलंब किया जाता है या कि लटकाया जाता है। फाईल में तर्क वितर्क करने में उन्हे महारथ हासिल है। कार्यालयीन सूत्रो की माने तो कई बार फाईलों में हस्ताक्षर को लेकर अधीनस्थ कर्मियों से उनकी बहस भी हो चुकी है।

संयुक्त कलेक्टर के पास दोहरा प्रभार

जिले में दो संयुक्त कलेक्टरो की पदस्थापना है, एक संयुक्त कलेक्टर अनिल सिदार कलेक्टोरेट ही पदस्थ हैं। बताया जाता है कि वे कई शाखाओं के ओआईसी हैं लेकिन फाईल आगे बढ़ाने में सबसे ज्यादा उन्हीं के द्वारा या तो विलंब किया जाता है या कि लटकाया जाता है। फाईल में तर्क वितर्क करने में उन्हे महारथ हासिल है। कार्यालयीन सूत्रो की मानें तो कई बार फाईलों में हस्ताक्षर को लेकर अधीनस्थ कर्मियों से उनकी बहस भी हो चुकी है। सबसे ज्यादा उन्हीं शाखाओं में हो रही है जिसके प्रभारी अधिकारी श्री सिदार हैं। हलांकि वर्तमान मे वे पारिवारिक कारणों से अवकाश पर हैं जिससे कि उनके प्रभार के शाखाओं को अलग-अलग विभाजित किया गया है। लेकिन उनके छुट्टी से आने के बाद फिर वही स्थिति निर्मित हो जाएगी। वहीं जिले में दूसरी संयुक्त कलेक्टर अंकिता सोम की पदस्थापना है उन्हें बैकुंठपुर एसडीएम बनाया गया है, साथ ही वे कलेक्टोरेट में भू-अभिलेख, खनिज न्यास संस्थान आदि अनेक महत्वपूर्ण शाखाओं की प्रभारी अधिकारी भी हैं। समस्या यह है कि उन्हे बैकुंठपुर एसडीएम का काम भी देखना है जिससे कि वह कलेक्टोरेट में बैठ नहीं पाती और उनकी शाखाओ का कामकाज विलंब होता है। बतलाया जाता है कि विभागीय कर्मी फाईल में उनका हस्ताक्षर लेने के लिए परेशान रहते हैं उन्हें कई बार महत्पूर्ण फाईल लेकर एसडीएम कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है। लेकिन एसडीएम कार्यालय में भी भीड़-भाड़ व उनकी अनुपस्थिति के कारण फाईल कई दिनो तक लटका रहता है। एक दिन में होने वाला काम कई दिन तक नहीं हो पा रहा है। मजबूरी भी ऐसी है कि आखिर विभिन्न शाखाओं का प्रभारी किस अधिकारी को बनाया जाए,जिससे कि समय पर काम हो सके ।

अपर कलेक्टर उइके का स्थानांतरण,अब रीता यादव आएंगी

जिले में पदस्थ अपर कलेक्टर भगवान सिंह उइके का स्थानांतरण हाल ही में अंतागढ़ हो गया है। उनकी जगह बलरामपुर जिला पंचायत सीईओ रीता यादव की पदस्थापना जिले में की गई है पूर्व में वे यहां संयुक्त कलेक्टर के रूप में काम कर चुकी हैं। कर्मचारियो को भी उम्मीद है कि उनके आने के बाद कामकाज में थोड़ा सुधार होगा। बतलाया जाता है कि वर्तमान अपर कलेक्टर श्री उईके के साथ भी काम करने में कर्मचारियो को खासी परेशानी हो रही थी, अकारण फाईलों को लटकाया जाता था जिससे कि काम में विलंब होता था।

जिले में अच्छे अधिकारियों की रूचि नहीं

जिला विभाजन के बाद कोरिया जिले की स्थिति प्रशासनिक दृष्टि से काफी खराब हो गई है, अब यहां मात्र दो अनुविभाग हैं। बचरापोड़ी क्षेत्र में अभी भी असमंजस की स्थिति बरकरार हैं। जनपद पंचायत के हिसाब से भी मात्र दो ही जनपद शेष हैं। अधिकार क्षेत्र अब पूर्व की तुलना में काफी कम हो गया है। कलेक्टर के पास भी संयुक्त कोरिया जिले के हिसाब से बहुत बड़ा कार्यक्षेत्र था लेकिन अब वह सिमटकर मात्र 40 प्रतिशत तक रह गया है। जिला छोटा होने के कारण अच्छे अनुभवी अधिकारी भी यहां नहीं आना चाहते या कि जो हैं भी वे अब दूसरे जिले में काम करना चाह रहे है। कुल मिलाकर कोरिया में प्रशसनिक व्यवस्था भी आगे भगवान भरोसे रहेगी।

खेल और शिक्षा अधिकारी भी प्रभारी

जिले में खेल गतिविधियां अब एकदम समाप्त सी हो गई हैं, जिले का खेल विभाग एक कमरे में वर्षो से संचालित हो रहा है। पूर्ववर्ती भाजपा सरकार से लेकर आज तक खेल अधिकारी की पदस्थापना नहीं हो सकी है। शिक्षकों को खेल विभाग का प्रभार देकर काम चलाया जा रहा है लेकिन इससे विभाग के कामकाज पर खासा असर पड़ा है। जिले में प्रतिभावान खिलाड़ियों की कमी नहीं है लेकिन विभागीय उदासीनता के कारण उन्हे विभाग से किसी प्रकार की मदद नहीं मिलती,कई खिलाड़ी तो यह जानते भी नहीं कि जिले में खेल विभाग भी है। खेल विभाग प्रभारी के भरोसे चल रहा है तो वर्तमान में लगभग एक सप्ताह से जिला शिक्षाधिकारी का कामकाज भी प्रभारी के भरोसे है। एक शिक्षक जो कि वर्षो से जिला शिक्षाधिकारी कार्यालय में ही संलग्न है और उनकी वरिष्ठता कई शिक्षकों से काफी नीचे हैं, उन्हे वर्तमान में जिला शिक्षाधिकारी का प्रभार दिया गया है। पिछले दिनों आयोजित बैठक में कई वरिष्ठ शिक्षक को बतौर शिक्षाधिकारी वे आदेश देते रहे जो कि शिक्षको को भी नागवार गुजरा है। पूर्व में जिला शिक्षाधिकारी रहे विनोद गुप्ता अब संभागीय संयुक्त संचालक के पद पर पदस्थ हो गए हैं, उनका वर्तमान प्रभारी जिला शिक्षाधिकारी अनिल जायसवाल के साथ अच्छा तालमेल भी था जिसके बाद श्री जायसवाल को प्रभार दिया गया है। शिक्षाधिकारी का पद कितने दिनों तक प्रभार में रहेगा यह भी देखने वाली बात होगी।

न शासन को ध्यान, न जिम्मेदार जनप्रतिनिधि को

जिले में प्रशासनिक अधिकारियों की कमी बनी हुई है,कलेक्टोरेट का दौरा करने पर देखने में मिला कि अधीनस्थ कर्मचारी अधिकारियों के अनुभवी न होने का रोना रोते रहते हैं। दबी जुबान से कहते फिरते हैं कि पहले अधिकारियो के साथ काम करने में दिक्कत नहीं होती थी लेकिन वर्तमान में काफी परेशानी होती है। कोई भी फाईल आगे बढ़ाने में सोचना पड़ता है। अधिकारियों की कमी के कारण आम जन को भी कहीं न कहीं परेशानी का सामना करना पड़ता है, लेकिन यह आश्चर्य की बात है कि इस ओर न तो शासन का ध्यान है और न ही स्थानीय जनप्रतिनिधि को इस ओर दिखलाई दे रहा है। स्थानीय विधायक प्रदेश में संसदीय सचिव भी हैं लेकिन उनके द्वारा प्रशासनिक अधिकारियो की कमी पूरा करने कभी भी सरकार से मांग करते नही सुना गया। बहरहाल अधिकारियों की कमी से एक ओर जहां कर्मचारी भी परेशान हैं तो वही आम जन को भी परेशानी हो रही है अब देखना होगा कि आगे भी इसी प्रकार की स्थिति बनी रहेगी या कि सरकार और जिम्मेदार जनप्रतिनिधि इसके लिए आगे आएंगे।

पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा रमदहा जलप्रपात,50 लाख मंजूर

» रंग लाई विधायक कमरो की पहल, मुख्यमंत्री ने निभाया वायदा

- संवाददाता -
मनेन्द्रगढ़ 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

भरतपुर विकासखंड अंतर्गत स्थित प्राकृतिक सुंदरता बिखेर रहे रमदहा जलप्रपात को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने हेतु 50 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। बता दें कि सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त भरतपुर-सोनहत विधायक गुलाब कमरो की मांग पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 28 जून को बहरासी में आयोजित भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान रमदहा जलप्रपात को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने घोषणा की थी।

दूरस्थ वनांचल क्षेत्र भरतपुर विकासखंड अंतर्गत अत्यंत मनोरम रमदहा जलप्रपात को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा आदेश जारी किया गया है। स्वीकृत राशि से यहां 18 लाख की लागत से रिटर्निंगवाल का निर्माण कराया जाएगा। इसी प्रकार 2 लाख 6 हजार की लागत से रेलिंग कार्य, 10 लाख 6 हजार की लागत से सीढ़ी निर्माण एवं 19 लाख 88 हजार रूपए की लगात से रेस्टिंग गैलरी शेड निर्माण कार्य कराए जाएंगे।

जलप्रपात की खूबसूरती निहारने दूर-दूर से आते हैं पर्यटक

रमदहा जलप्रपात भरतपुर विकासखंड अंतर्गत घने जंगलों के बीच भावरख गाँव के समीप बनास नदी में स्थित है। इसे देखने और पिकनिक मनाने के लिए यहां दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। यह जलप्रपात एमसीबी जिले के सबसे खूबसूरत जलप्रपात में से एक है। चट्टानों से टकराते हुए गिरता पानी दूध की तरह दिखाई देता है जो किसी पर्यटक को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए काफी है। इसके आसपास घने जंगल इसकी खूबसूरती में चार चाँद लगाते हैं।

6 माह के भीतर मुख्यमंत्री की घोषणा पर अमल

विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि प्रदेश की संवेदनशील भूपेश सरकार केवल वायदे नहीं करती, बल्कि अपने किए वायदों को प्राथमिकता से निभाने का काम भी करती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने भेंट मुलाकात कार्यक्रम में रमदहा जलप्रपात को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने घोषणा की थी और 6 माह के भीतर घोषणा पर अमल होने से जनता का सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है। विधायक कमरो ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में प्राथमिकता से क्षेत्र की मूलभूत बुनियादी आवश्यकताओं के साथ पर्यटन व संस्कृति पर भी कार्य हो रहे हैं।

पर्यटन को बढ़ावा देने निरंतर कार्य कर रही सरकार

विधायक कमरो ने कहा कि छत्तीसगढ़ के समृद्ध परम्परा को दुनिया के मानचित्र में लाने छत्तीसगढ़ के पास सब कुछ है, जिसे अपनाते हुए पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हमारी सरकार निरंतर काम कर रही है। प्रदेश के मुखिया का कहना है कि छत्तीसगढ़ के युवा जब पर्यटन के प्रति जागरूक होंगे तो प्रदेश के पर्यटन को और ज्यादा बढ़ावा मिलेगा।

जिन अवैध कोयला खदानों तक पहुंचे नेता प्रतिपक्ष उन खदानों तक आज तक क्यों नहीं पहुँच सकी स्थानीय पुलिस?

- रवि सिंह -
चिरमिरी/मनेंद्रगढ़ 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

एमसीबी नवीन जिले के कालरी क्षेत्र में नेता प्रतिपक्ष विधानसभा छत्तीसगढ़ ने पहुंचकर उन क्षेत्रों का दौरा किया जिन क्षेत्रों में अवैध रूप से कोयला उत्खनन किया जा रहा है और उन्हें चोरी कर कोयला चोरों के द्वारा अन्य राज्यों सहित स्थानीय ईंट भट्ठों को बेचा जा रहा है।

अवैध कोयला खदान पहुँचे नेता प्रतिपक्ष भी बड़े आश्चर्यचकित हुए जब उन्होंने देखा कि किस तरह खुलेआम कोयला चोरी का काम जारी है और किस तरह कोयला अभी भी निकाला जा रहा है और बोरियों में भरकर रखा जा रहा है जिसे बड़े वाहनों में भरकर अन्य राज्यों सहित स्थानीय ईंट भट्ठों को बेचा जाएगा। अवैध कोयला खदान पहुँचे नेता प्रतिपक्ष साथ ही राज्य सहित सरगुजा संभाग से उनके साथ रहे भाजपा नेताओं ने कोयला चोरी का पूरा खेल देखकर एक ही बात कही की जिला प्रशासन कितना निरंकुश हो चुका है जो खुलेआम राष्ट्र की संपत्ति लूटी जा रही है और वह मौन है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि शासन प्रशासन बिल्कुल नाकाम हो चुका है और कोयला चोरी का पूरा माजरा देखकर यही कहा जा सकता है कि सबकुक मिलीभगत से हो रहा है और देश की संपत्ति लूटी जा रही है।

नेता प्रतिपक्ष पहुँचे अवैध कोयला खदान, स्थानीय पुलिस आज तक नहीं पहुँच सकी अवैध कोयला खदान

राजधानी सहित सरगुजा संभाग से नेता प्रतिपक्ष के साथ आये भाजपा नेता चिरमिरी की अवैध कोयला खदानों तक पहुँच गए और उन्होंने कोयला चोरी का पूरा माजरा अपनी आंखों से देख भी लिया लेकिन आज तक इन जगहों पर जिला प्रशासन सहित पुलिस क्यों नहीं पहुचीं यह एक बड़ा सवाल है। जिस क्षेत्र में देश की संपत्ति लुटी जा रही है उस क्षेत्र की पुलिस मामले से अनजान है यह मानना बिल्कुल गलत होगा । स्थानीय पुलिस सहित जिला प्रशासन क्यों पूरे मामले में मौन है यह एक बड़ा सवाल है जिसे लेकर नेता प्रतिपक्ष ने भी चिंता जताते हुए कहा कि निरंकुश राज है।

अवैध कोयला खदान देखकर आश्चर्यचकित हुए नेता प्रतिपक्ष एवम भाजपा नेता

चिरमिरी अवैध कोयला खदान पहुँचे नेता प्रतिपक्ष साथ ही भाजपा नेताओं को आश्चर्यचकित देखा गया जब उन्होंने बड़े स्तर पर खुलेआम जारी अवैध कोयला खदानों को देखा जहां कोयला उत्खनन कर रखा हुआ था जिसे परिवहन कर बड़े वाहनों से अन्य राज्य ले जाकर बेचा जाएगा। सभी भाजपा नेताओं ने इसपर चिंता जाहिर करते हुए इसे शासन प्रशासन की नाकामी बताया।

कोरिया जिले सहित चिरमिरी क्षेत्र में बड़े स्तर पर कोयला चोरी का होता है काम

कोरिया जिला साथ ही एमसीबी जिले के चिरमिरी कालरी क्षेत्र में बड़े स्तर पर कोयला चोरी का काम होता है जो सभी जानते हैं। कोयला चोरी में यह दोनों स्थान बेहद प्रसिद्ध हैं और यहां कई गैंग चोरों के इसके लिए बने हुए हैं जो इस चोरी के काम मे लिप्त हैं। अभी हाल में ही कोयला चोरों ने कोरिया जिले के चरचा कालरी क्षेत्र में कालरी कर्मचारियों पर केवल इसलिए जानलेवा हमला कर दिया था क्योंकि कर्मचारियों ने कोयला चोरों को कोयला चोरी करने से रोका था। इन दोनों ही क्षेत्रों में विगत चार वर्षो से कोयला चोरों का मनोबल बहुत ज्यादा बढ़ा है और अब वह शासन प्रशासन को भी चुनौती देने से बाज नहीं आते हैं जो देखा जा रहा है।

» चिरमिरी में संचालित अवैध कोयला खदानों तक पहुँचे नेता प्रतिपक्ष विधानसभा

» रायपुर सहित सरगुजा संभाग के भाजपा नेताओं ने नेता प्रतिपक्ष के साथ अवैध कोयला खदान देखकर कहा निरंकुश है प्रशासन

» नेता प्रतिपक्ष के अवैध कोयला खदान पहुंचने पर देखने को मिला अवैध रूप से उत्खनन किया गया कोयला

» क्या केवल दिखावे के लिए ही हुई आज तक की कार्यवाही,क्या अब भी जारी है कोयला चोरी?

» चिरमिरी सहित कोरिया जिले में होता है बड़े स्तर पर कोयला चोरी का काम

» अवैध इंटभट्टों को की जाती है कोयला सप्लाई,बड़े स्तर पर अन्य राज्यों को भी भेजा जाता है अवैध कोयला

» कोयला चोरी में बड़े बड़े सफेदपोश हैं शामिल,पुलिस की भी है मिलीभगत नेताप्रतिपक्ष के दौरे से साबित हुआ

» आखिर चिरमिरी की पुलिस क्यों नहीं कर पाती कोयला चोरों पर कार्यवाही,आखिर किसका है दबाव

सफेदपोश हैं कोयला चोरी में शामिल चोर

कोयला चोरों में अधिकांश सफेदपोश हैं और उन्हें राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है यह लागातर देखने को मिला है और इसीलिए शासन प्रशासन मजबूर हैं इन पर कार्यवाही कर पाने में। शासन-प्रशासन कार्यवाही की जगह इनके साथ मिलीभगत कर कोयला चोरी का कारोबार जारी रहने देने में भी अपनी भलाई समझता है क्योंकि स्थानीय रूप से राजनीतिक संरक्षण कोयला चोरों को प्राप्त है।

पुलिस की मिली-भगत बिना नहीं हो सकता कोयला चोरी का कारोबार

कोयला चोरी के पूरे कारोबार को यदि समझा जाये तो यह बिना पुलिस की मिली-भगत संभव नहीं है। कोयला उत्खनन क्षेत्र में पुलिस नहीं पहुंच पा रही है पुलिस कितना भी इस तरह का बहाना बना ले लेकिन कोयला उत्खनन कर उसे बड़े वाहनों से जब मुख्य मार्ग से जिले से बाहर फिर प्रदेश से बाहर भेजा जाता है तब पुलिस क्यों कार्यवाही नहीं करती यह बड़ा सवाल है। कुल मिलाकर पुलिस बहाने बनाकर किसी तरह अपने आपको पाक साफ बताने में जरूर जुटी हुई है लेकिन उसकी मिली-भगत से इनकार नहीं किया जा सकता।

दुर्घटना की भी बनी रहती है आशंका, घट चुकी हैं बड़ी दुर्घटना

अवैध कोयला खदानों में हमेशा बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है वहीं कई बार दुर्घटना घट भी चुकी है फिर भी प्रशासन मौन है क्यों कि पूरा मामला अतिरिक्त आय से जुड़ा हुआ है। चिरमिरी सहित चरचा व पटना थाना जाने पुलिसकर्मियों को आतुर देखा जाता है जिसकी वजह भी कोयला ही बताई जाती है।

विधायक के नेतृत्व में कांग्रेस प्रत्याशी ने जमा किया नामांकन फॉर्म,क्या विधायक की साख दांव पर?

» जिपं उपचुनाव के लिए कांग्रेस प्रत्याशी ने विधायक व वरिष्ठ कांग्रेसियों के साथ निर्वाचन अधिकारी के समक्ष जमा किया नामांकन फॉर्म

» कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन कांग्रेस दिखी एकजुट लश्कर के साथ पहुंची कलेक्ट्रेट

» विधायक के नेतृत्व में प्रत्याशी ने भरी हुंकार जीत होगी कांग्रेस की

» जिला पंचायत उपचुनाव के नामांकन में बैकुंठपुर विधानसभा के कांग्रेसियों ने दिखाया दमखम

» विधानसभा चुनाव पूर्व सेमीफाइनल के रूप में इस चुनाव को देखा जा रहा

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले में जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 6 में उपचुनाव को लेकर गहमागहमी की स्थिति है दो दिग्गजों की साख भी दांव पर है बीजेपी प्रत्याशी ने अपना नामांकन लाव लश्कर के साथ जमा कर दिया था, वही शुक्रवार को कांग्रेस प्रत्याशी ने भी स्थानीय विधायक व कांग्रेसियों के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंचे निर्वाचन अधिकारी को अपना नामांकन फॉर्म दीया, नमक फॉर्म जमा करने के दौरान कांग्रेस ने भी एकजुटता के साथ भीड़ भाड़ को लेकर अपना जनाधार बताने का प्रयास किया और अपने प्रत्याशी को मजबूत बताया।

छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री भैयालाल राजवाड़े के पुत्र स्व.विजय राजवाड़े के आकस्मिक निधन से रिक्त जिला पंचायत सीट के चुनाव के लिए बिगुल बज चुका है। जहां एक ओर स्वर्गीय विजय राजवाड़े की धर्मपत्नी और पूर्व कैबिनेट मंत्री भैयालाल राजवाड़े जी की पुत्र वधू श्रीमती वंदना राजवाड़े भाजपा समर्थित प्रत्याशी हैं, वहीं सामान्य सीट से अनुसूचित जनजाति वर्ग के संजय टोप्पो जो पूर्व में जनपद सदस्य रह चुके हैं, कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी हैं। इसके अलावा कोरिया जिले में अपनी आधारभूत पकड़ रखने वाली गोंडवाना गणतंत्र पार्टी भी सुखनंदन मिंज को लेकर मैदान में हैं। क्षेत्र में राजवाड़े वोट की बहुलता, पूर्व कैबिनेट मंत्री भैयालाल राजवाड़े की पकड़ और स्वर्गीय विजय राजवाड़े जी के आकस्मिक निधन से उपजी संवेदना के कारण भाजपा का पलड़ा जहां भारी नजर आ रहा है, वहीं जनजाति वोटों के सहारे मैदान में उतरे संजय टोप्पो के सामने गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जनजाति उम्मीदवार के सामने आ जाने से वोटों का बंटवारा तय नजर आ रहा है।

भाजपा संगठन पूरी तरह सक्रिय हुआ,कंधे से कंधा मिलाकर एकजुट दिखा

विगत दिनों श्रीमती वंदना राजवाड़े के लिए नामांकन फॉर्म लेने और जमा करने दोनों ही कार्यकलापों में कोरिया भाजपा संगठन पूरी तरह सक्रिय रहा और सब कंधे से कंधा मिलाकर एकजुट नजर आए।

क्या कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी है कमजोर?

लोग कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी को कमजोर बता रहे थे और कांग्रेस को सरेंडर की मुद्रा में बता रहे थे। चर्चा यह भी थी कि कोई दिग्गज कांग्रेसी उपचुनावी रूपी सेमीफाइनल में उतरने को तैयार नहीं हुआ, अंततः सामान्य सीट से संजय टोप्पो को लड़ाने का फैसला करना पड़ा। परंतु कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी के नामांकन जमा करने की जो तस्वीर आज? सामने आई, उस तस्वीर ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। बहुत अर्से बाद क्षेत्र के दिग्गज कांग्रेसी आज एक मंच पर थे और कांग्रेसी उम्मीदवार का नामांकन भरने गाजे-बाजे और लाव लश्कर के साथ कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे। क्षेत्र की विधायिका की अगुवाई में विधानसभा क्षेत्र के सभी छोटे बड़े, युवा, बुजुर्ग कांग्रेसी एक साथ नजर आए। विगत 4 वर्षों के सत्ता शासन में बैकुंठपुर विधानसभा में ऐसी तस्वीर देखने को नहीं मिली थी।

लाव-लश्कर और गाजे के साथ एक जुटता का दिया परिचय

विगत विधानसभा चुनाव पश्चात पूर्ण बहुमत के साथ प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने और कोरिया जिले के तीनों सीटों पर कांग्रेस की जीत के बाद से ही कांग्रेसी अलग तलग नजर आ रहे थे। संगठन कई गुटों में बंटा हुआ था। विभिन्न आयोजनों और कार्यक्रमों में यदा-कदा यह सामने भी आ जाता था। कोरिया कांग्रेस की टूट के चर्चे चारों ओर थे। परंतु आगामी विधानसभा चुनाव पूर्व जिला पंचायत का यह उपचुनाव जिसे बैकुंठपुर विधानसभा का सेमीफाइनल माना जा रहा है, के नामांकन की यह तस्वीर कुछ और ही बयां कर रही है। जहां गुटों में बंटने के बाद कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में मायूसी थी, आज की एकजुटता ने कार्यकर्ताओं में पुनः जोश का संचार कर दिया है। अब यह तस्वीर सतही है या अंदर खाने में बात कुछ और है, यह तो आने वाला वक्त बताएगा। परंतु यह तो स्पष्ट है कि कांग्रेसी भी इस उपचुनाव को लेकर बेहद गंभीर हैं।

विधायिका के नेतृत्व में विधानसभा के दिग्गज कांग्रेसी रहे मौजूद, मुद्दत बाद एकजुटता की दिखी तस्वीर

विगत 4 साल के कार्यकाल में जहां विधायिका का सीनियर और दिग्गज कांग्रेसियों से मोहभंग दिखाई देता था और हर मामलों में युवाओं को तरजीह दी जाती थी। धीरे-धीरे चुनाव के नजदीक आते ही तालमेल बढ़ाने का प्रभाव स्पष्ट नजर आ रहा है। 4 साल से हाशिए पर रहे कांग्रेसियों से वर्तमान में विधायिका का रुझान वर्तमान में विधानसभा में होने वाले कार्यक्रमों में झलक रहा है। विधानसभा के कांग्रेसियों की यही एकजुटता आगामी चुनाव को लेकर है, या बात कुछ और है, यह स्पष्ट नहीं। परंतु आज विधायिका के नेतृत्व में दिखि एकजुटता ने सभी कार्यकर्ताओं को एक अलग ही संदेश देने का कार्य किया है। यदि यही एकरूपता और एकजुटता बनी रहि तो जिला पंचायत का उपचुनाव कांटे के होने के आसार हैं।

दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर तो वहीं भीतरघात का भी पूरा अंदेशा

इस चुनाव पर दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर तो लगी है साथ ही दोनों पक्ष से अंदर खाने से यह भी चल रहा है कि कैसे भी हार हो जाए ताकि अगले विधानसभा में दावेदारी का मौका उन्हें मिले, जिसे लेकर खींचातानी भी शुरू हो सकती है पर अंदर खाने में भितरघात का अंदेशा है।

उप चुनाव की जीत हार से तय हो सकते हैं विधानसभा प्रत्याशी, और तय हो सकती है उनकी किस्मत

इस चुनाव का परिणाम दिग्गजों के लिए भी काफी अहम हो गया है कांग्रेस से स्थानीय विधायक की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है तो वहीं भाजपा से पूर्व कैबिनेट मंत्री की प्रतिष्ठा भी दांव पर है अब देखना यह है की जीत किसकी प्रतिष्ठा की होती है नगर पालिका बैकुंठपुर के अध्यक्ष ना बना पाने को लेकर पहले से ही स्थानीय विधायक माइनस में चल रही है, वही शिवपुर चरचा में नगर पालिका अध्यक्ष ना बनाने की वजह से पूर्व कैबिनेट मंत्री भी माइनस में चल रहे हैं यहां पर दोनों के अंक बराबर है पर यदि इस अंतिम दौर में हार मिली तो अगला विधानसभा का टिकट भी खतरे में पड़ सकता है।

मुख्यमंत्री ने आने वाले सत्र में पत्रकार सुरक्षा कानून को विधानसभा में लाने की बात कही:अ.भा.पत्रकार सुरक्षा समिति

» अ.भा.पत्रकार सुरक्षा समिति मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया आने वाले सत्र मे पत्रकार सुरक्षा कानून को विधानसभा मे रखा जायेगा

» मुख्यमंत्री भुपेश बघेल ने अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति को अश्वासन दिया आने वाले सत्र मे पत्रकार सुरक्षा कानून पर चर्चा होगी

- संवाददाता -
रायपुर/कोरिया 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

भूपेश बघेल मुख्यमंत्री का छत्तीसगढ़ के नये जिला के कार्यक्रम मे शरीक होने पहुँचे उसके बाद मुख्यमंत्री की प्रेस वार्ता का आयोजन बिलाइगढ़ मे आयोजित हुआ जिसमे जिले के पत्रकारो ने जिला के विकास पर चर्चा की जिसका जवाब मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दिया उसके बाद अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति सारंगढ़ के जिलाध्यक्ष पत्रकार नरेश चौहान ने मुख्यमंत्री से पत्रकार सुरक्षा कानून को लेकर सवाल किया आपके द्वारा प्रदेश की जनता से किये वादे लगभग पूरे हो रहे हे लेकिन उसमे एक वादा पत्रकार सुरक्षा कानून लागु को लेकर आपने किया था आज सरकार को चार वर्ष पूरे हो गये।लेकिन अभी तक ये वादा पुरा नही हुआ क्या आने वाले सत्र मे पत्रकार उम्मीद करे की आप पत्रकार सुरक्षा कानून का वादा पुरा करेंगे अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति सारंगढ़ जिलाध्यक्ष नरेश चौहान को जवाब देते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा की आप आने वाले। सत्र मे उम्मीद कर सकते हो हम पत्रकार सुरक्षा कानून पर विधानसभा पर चर्चा करके कानून बनाने की ओर बढ़ेंगे।

नरेश चौहान (जिला अध्यक्ष सारंगढ़) अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति छत्तीसगढ़ ने बतया की अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति की मांग छत्तीसगढ़ मे पत्रकार सुरक्षा कानून जल्द से जल्द लागु हो जिसको लेकर गोविन्द शर्मा प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व मे पिछले 6 वर्षो से प्र्देश के पत्रकारो के साथ मिलकर संघर्ष किया जा रहा हे 2017 मे विपक्ष मे रहते कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेश बघेल ने बिलासपुर मे अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के सम्मेलन मे वादा किया था की उनकी सरकार जब प्रदेश मे आएगी तो पत्रकार सुरक्षा कानून जरूर लागु किया जायेगा ओर प्रदेश मे जैसे ही कांग्रेस की सरकार बनी ओर भूपेश बघेल मुख्यमंत्री बने तो सबसे पहले प्रेस कांफ्रेस करके पत्रकार सुरक्षा कानून के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी बनाई जिसने पत्रकार सुरक्षा कानून का ड्राफ्ट बनाया लेकिन उसे बने पूरे एक वर्ष हो रहे हे लेकिन सरकार इसमे आगे बढ़ने का नाम नही ले रही हे लेकिन बिलाईगढ़ की प्रेस वार्ता के दौरान कहना की आने वाले विधानसभा सत्र मे उनकी सरकार कानून बनाने की ओर आगे बढ़ रही हे जो प्रदेश के पत्रकारों के लिए खुशी की बात है।

खेल से शारीरिक और मानसिक मजबूती मिलती है:डॉ विनय जायसवाल

» लाहिड़ी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दो दिवसीय खेल महोत्सव का आयोजन हुआ सम्पन

- संवाददाता -
चिरमिरी 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

खेल हमे जीवन में अनुशासन, एकता, संगठन और सामूहिकता का पाठ पढ़ाते है। खेलों से न केवल हमारा शारीरिक विकास होता है बल्कि मानसिक मजबूती भी मिलती है। उक्त बातें मनेन्द्रगढ़ विधायक डॉ विनय जायसवाल ने शासकीय लाहिड़ी स्नातकोत्तर महाविद्यालय चिरमिरी के दो दिवसीय खेल महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहीं।

ज्ञात हो कि शासकीय लाहिड़ी स्नातकोत्तर महाविद्यालय चिरमिरी में उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन के वार्षिक कैलेंडर अनुसार दो दिवसीय खेल महोत्सव 21 दिसम्बर 2022 से 22 दिसम्बर 2022 तक आयोजित किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि मनेन्द्र गढ़ विधानसभा के माननीय विधायक डॉ विनय जायसवाल, अति विशिष्ट अतिथि नगर निगम चिरमिरी की महापौर श्रीमती कंचन जायसवाल जी रहीं। विशिष्ट अतिथि जनभागीदारी समिति में सांसद प्रतिनिधि राहुल भाई पटेल और पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष चन्द्रभान बर्मन रहे। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ राम किंकर पाण्डेय के मार्गदर्शन और क्रीड़ा प्रभारी डॉ प्रदीप सिंह के नेतृत्व में बैडमिंटन, खो-खो, कबड्डी, क्रिकेट,बालीबाल, शतरंज, कैरम और एथलेटिक्स की विविध प्रतियोगिताएं संपन्न हुई। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ राम किंकर पाण्डेय ने खिलाडियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय में अध्ययन के साथ साथ खेल भी जरुरी हैं। उन्होनें सभी खिलाडियों को बधाई दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुभाष चन्द्र चतुर्वेदी, डॉ धनसाय देवांगन, जय सिंह सारस्वत, प्रेमा कुजूर के साथ डॉ उमाशंकर मिश्रा,अंकिता जायसवाल, प्रियंबदा शुक्ला,मंजीत सिंह, फ्याजूल मुस्तफा, भागवत जांगड़े, रामनरायण पनिका, आयुषी राय,अनुराधा सहारिया,मोहनी राठौर मंजू राही,गिरीश दास, विजय सिंह बघेल विकास खटीक, विमलेश कुमार साहू, सूरज कुमार साव, सौमित्र साहू रश्मिता खुटिया का योगदान रहा। खेल प्रभारी प्रदीप सिंह ने सभी खिलाडियों सहित सभी सहयोगियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

सुशासन सप्ताह के तहत ग्राम पंचायतों में शिविर लगाकर समस्याओं का किया जा रहा निराकरण

- संवाददाता -
सूरजपुर, 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा एव जिला पंचायत सीईओ सुश्री लीना कोसम के निर्देशानुसार आज सुशासन सप्ताह प्रशासन गांव की ओर के तहत सूरजपुर विकासखंड के पंचायत मुख्यालय के कल्याणपुर, सिलफिली अजबनगर और कन्दरई में सुशासन शिविर का आयोजन किया गया। पंचायतों से प्राप्त लोगों के आवेदनों का निराकरण किया गया। शिविर राशन कार्ड, पेंशन, श्रम पंजीयन, आयुष्मान कार्ड, स्मार्ट कार्ड एवं केसीसी बनाकर हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

क्या आरोपों की लंबी फेहरिस्त वाले बैकुंठपुर के चिकित्सक पर भाजपा लगाएगी दांव?

» जनसेवा से कभी नाता न रखने वाले डॉक्टर शर्मा की जनसेवा हाल में देखकर लोग हैं हतप्रभ

» शर्मा हॉस्पिटल बैकुंठपुर के संचालक में देखा जा रहा अजीब परिवर्तन,सामाजिक भूमिका में आये सामने

» सामाजिक सरोकारों से हमेशा दूर रहने वाले डॉक्टर राकेश शर्मा अब दिख जाते हैं हर सामाजिक कार्यक्रम में

» भाजपा नेताओं को भी कर रहे याद,भाजपा नेताओं के प्रति बढ़ा हुआ दिख रहा उनका प्रेम

» अस्पताल संचालन में लगातार आरोपों से घिरे रहने वाले डॉक्टर शर्मा लोकसभा व विधानसभा की कर रहे तैयारी:सूत्र

» मीडिया को भी कर रहे हैं मैनेज,भाजपाइयों को भी अपनी ओर करने में जुटे हुए हैं डॉक्टर शर्मा

» कवि सम्मेलन में कर रहें हैं लाखों खर्च,आखिर क्या है इसके पीछे की वजह?

» लोकसभा व विधानसभा में भाजपा से दावेदारी को लेकर डॉक्टर शर्मा हैं आश्वस्त,अब प्रचार है जारी:सूत्र

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

बैकुंठपुर में एकमात्र संचालित निजी चिकित्सालय जो वर्षों से संचालित है और जहां सभी रोगों का इलाज होता है शर्मा अस्पताल के संचालक आजकल अलग ही रूप में नजर आ रहें हैं। आजकल डॉक्टर साहब सामाजिक भूमिका में नजर आ रहें हैं और उन्हें लगातार सामाजिक सरोकारों से जुड़कर जीवन जीते देखा जा रहा है। डॉक्टर साहब आजकल अस्पताल से ज्यादा समाज मे समय दे रहें हैं और लगातार वह क्षेत्र में भ्रमण करते देखे जा रहें हैं लोगों से मुलाकात भी करते देखे जा रहें हैं। डॉक्टर साहब को जहां कभी बाहर की दुनिया जो उनका अस्पताल और उनका घर परिवार था से बाहर कभी नहीं देखा जाता था आजकल उन्हें जब समाज मे सभी के बीच देखा जा रहा है तो लोग आश्चर्यचकित हो रहें हैं और उनके अंदर आये इस बदलाव को समझ पाने में अपने आप को असमर्थ पा रहें हैं। डॉक्टर साहब को राजनीति का बुखार चढ़ा है यही सुनने को मिल रहा है।

हमेशा विवादों से था नाता, अब बेहतर छवि कर रहें हैं सामने पेश

पेशे से डॉक्टर और निजी नर्सिंग होम संचालक डॉक्टर शर्मा का हमेशा विवादों से नाता रहा है। डॉक्टर साहब पहले जब कभी भी प्रसिद्धि प्राप्त किये वह मरीजों को परेशान करने के मामले में ही प्रसिद्धि हासिल करते देखे सुने गए,समाज और सामाजिक कार्यों में उन्हें कभी प्रसिद्धि प्राप्त करते नहीं देखा सुना गया यह देखा जाता रहा।

सामाजिक रूप से भी नहीं दिखा करते थे किसी सामाजिक कार्यक्रम में

डॉक्टर साहब को पहले कभी भी सामाजिक कार्यक्रमों में नहीं देखा जाता था,डॉक्टर साहब घर और अस्पताल के अलावा स्थानीय सामाजिक कार्यक्रमों से दूरी ही बनाये रखते थे। डॉक्टर साहब से एक तरह से वही लोग परिचित थे इससे पहले जो डॉक्टर साहब से इलाज के लिए अस्पताल जाते थे।

अब हर जगह दिख जाते हैं डॉक्टर साहब

डॉक्टर साहब को अब हर सामाजिक कार्यक्रम में देखा जा सकता है। लोग भी उन्हें आमंत्रित करने में चूक नहीं कर रहें हैं। डॉक्टर साहब अब शादी हो अन्नप्राशन हो जन्मदिन हो हर कार्यक्रम में शिरकत कर रहें हैं और लोगों के बीच जाकर उन्हें बधाई दे रहें हैं। सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी वह उपस्थित हो रहें हैं और हर उस जगह जा रहें हैं जहां लोगों का जमावड़ा उन्हें पता चल रहा है।

भाजपा से लोकसभा व विधानसभा की कर रहें हैं तैयारी

जैसा कि बताया जा रहा कि डॉक्टर साहब में परिवर्तन ऐसे ही नहीं आया है। राजनीति का भूत डॉक्टर साहब पर हावी हुआ है और वह भाजपा से कोरबा लोकसभा सीट से उम्मीदवारी करने की तैयारी में हैं। वही वह बैकुण्ठपुर विधानसभा से टिकट मिला जाए इसका भी प्रयास कर रहे है पहली प्राथमिकता विधानसभा की है यदि नहीं मिला मौका तो लोकसभा तो है ही, भाजपा से अपनी उम्मीदवारी को लेकर डॉक्टर साहब आश्वस्त हैं और इसीलिए वह लगातार जनसम्पर्क कर रहें हैं लोगों से मिल रहे हैं यह बताया जा रहा है।

भाजपाइयों को भी अपनी तरफ आकर्षित करते नजर आ रहे हैं डॉक्टर साहब

डॉक्टर साहब भाजपाइयों को भी अपनी ओर आकर्षित करने में लगे हुए हैं। भाजपाइयों से वह लगातार संपर्क कर रहें हैं और उन्हें खुद की ओर आकर्षित कर अपनी टीम का सदस्य बनाने की पूरी जुगत वह लगा रहें हैं। भाजपाइयों में बड़े नेताओं से लेकर छोटे से छोटे कार्यकर्ता तक डॉक्टर साहब को पहुँचते देखा जा रहा है। बैकुंठपुर मनेंद्रगढ़ सहित कोरबा तक डॉक्टर साहब दौरा कर कार्यकर्ताओं से मिलते देखे जा सकते हैं।

मीडिया मैनेजमेंट में भी कर रहे हैं मेहनत

डॉक्टर साहब मीडिया मेनेजमेंट में भी मेहनत करते देखे जा रहे हैं। मीडिया में डॉक्टर साहब की खबरें प्रकाशित हों इसके लिए डॉक्टर साहब अतिरिक्त प्रयास कर रहें हैं। कोई नाराज न हो और डॉक्टर साहब की बेहतर छवि समाज मे प्रस्तुत हो सके इसके लिए डॉक्टर साहब लगातार प्रयासरत हैं।

बैनर पोस्टरों से खुद को कर रहें हैं जग जाहिर

डॉक्टर साहब पोस्टर बैनर से अपने आप को जगजाहिर करने में लगे हुए हैं। हर उत्सव और त्योहार में डॉक्टर साहब पोस्टर छपवाकर उसे जगह जगह लगवाने में व्यस्त दिखाई देते हैं। आज बैकुंठपुर की ही यदि बात की जाए तो सभी कांग्रेस भाजपा नेताओं के किसी अवसर पर बैनर पोस्टर एक तरफ डॉक्टर साहब के बैनर पोस्टर एक तरफ। सबसे ज्यादा बैनर पोस्टर डॉक्टर साहब के ही दिखाई देंगे यह देखा जा सकता है शहर में। भाजपा के बड़े नेताओं के आगमन पर भी डॉक्टर साहब के बैनर पोस्टर अन्य भाजपा नेताओं से ज्यादा होते हैं जो शहर में दिखाई दे जाता है।

भाजपा लोकसभा में क्या सचमुच डॉक्टर साहब पर लगाएगी दांव?

लोकसभा चुनाव में भाजपा से कोरबा लोकसभा क्षेत्र से दावेदारी कर सकते हैं डॉक्टर साहब ऐसी खबरें सामने आ रहीं हैं वहीं सवाल यह उठता है कि क्या डॉक्टर साहब पर भाजपा दांव लगाएगी। डॉक्टर साहब की अब तक कि छवि और उनकी समाज से दूरी के बावजूद भाजपा क्या डॉक्टर साहब को लोकसभा में अपना प्रत्याशी बनाएगी यह सवाल लगातार उठ रहा है। भाजपा अपने प्रत्याशियों को लेकर फूँकफूँककर कदम रखती है और ऐसे में क्या डॉक्टर साहब को भाजपा बिना सोचे समझे टिकट दे देगी जबकि डॉक्टर साहब पर कई गंभीर आरोप लग चुके हैं।।भाजपा से अपनी दावेदारी को लेकर डॉक्टर साहब भले ही आश्वस्त नजर आते हों लेकिन भाजपा इतनी आसानी से डॉक्टर साहब पर दांव नहीं लगाएगी यह लोगों का मानना है वहीं लोगों का यह भी मानना है कि डॉक्टर साहब को अभी और अधिक सामाजिक होने की जरूरत है और वह जब तक अपने पुराने आरोपों से बरी नही हो जाते जो समय समय पर उनपर लगते आये तबतक उन्हें शायद ही मौका मिल सके।

कवि सम्मेलन का आयोजन कर लाखों कर रहे खर्च,क्या इसे शक्तिप्रदर्शन माना जाए

डॉक्टर साहब 25 दिसम्बर को लाखों रुपये खर्च कर कवि सम्मेलन का आयोजन कर रहें हैं। डॉक्टर साहब इसी आयोजन में उद्घाटन भी कर रहें हैं। डॉक्टर साहब आयोजन में शहर भर के लोगों को आमंत्रित कर रहें हैं और वह यह साबित करने की जुगत में हैं कि उनकी समर्थक संख्या कितनी है जो भाजपा नेताओं के भी सामने आएगी और जिसका सन्देश उपर तक जाएगा। बताया जा रहा है कि यह कवि सम्मेलन साथ ही उद्घाटन डॉक्टर साहब का राजनीतिक रूप से पहला पहला पदार्पण है जिसे वह भव्य रूप देने में लगे हुए हैं।

दिन-दहाड़े धारदार हथियार से युवती की नृशंस हत्या,जांच में जुटी पुलिस

- संवाददाता -
कोरबा, 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले के कोतवाली थाना अंतर्गत सीएसईबी पुलिस सहायता केंद्र क्षेत्र के पंप हाउस कालोनी की है जहा सीने पर चाकू जैसे नुकीले हथियार से ताबड़तोड़ वार कर एक युवती को मौत के घाट उतार दिया गया द्व घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली और सीएसईबी पुलिस मौके पर पहुंची द्व घर में खून से लथपथ पड़ी युवती को डायल 112 की टीम मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंची जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया द्व पुलिस

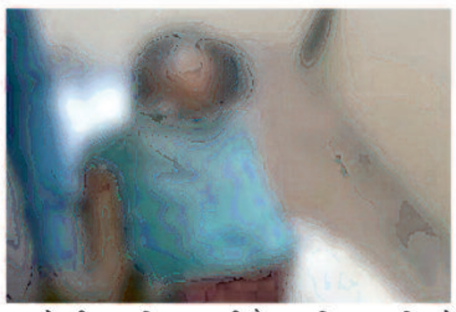

मामले की छान बिन कर रही है द्व मामले को प्रेम प्रसंग से जोड़कर देखा जा रहा है द्व मृतका 20 वर्षीय नील कुसुम पन्ना है , जो पंप हाउस कालोनी में अकेले रहा करती थी। जिसके सीने पर ताबड़तोड़ वार किया गया जिससे युवती की मौत हो गई द्व पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाने के साथ ही आरोपी की तलाश तेज कर दी है। पुलिस ने खोजी डॉग बाघा की भी मदद ले रही है। जिससे जल्द से जल्द आरोपी तक पहुंचा जा सके । बताया जा रहा है कि घटना के वक्त युवती घर पर अकेली थी एवं उसके मांता, पिता और भाई काम से बाहर गए हुए थे द्व सुबह 11-00 बजे उसका भाई वापस घर आया तो उसने देखा कि पीछे का दरवाजा खुला हुआ है द्व उसे संदेह हुआ वह जैसे ही घर के अंदर प्रवेश किया उसने देखा कि उसकी बहन खून से लथपथ पड़ी हुई है द्व वह यह दृश्य देख घबरा गया और उसने इसकी सूचना अपने माता पिता को दी साथ ही आसपास के लोगों ने डायल 112 को घटना की सूचना दी द्व तत्काल युवती को अस्पताल भिजवाया गया। जहाँ डॉक्टरों ने जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया द्व मामले में पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही। साथ ही पुलिस डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम की भी सहायता लि जा रही है।

खनिज विभाग ने रेत चोरी रोकने उठाया अनोखा कदम

- संवाददाता -
कोरबा, 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जिले में रेत चोरी का मामला दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है इसे रोकने के लिए खनिज विभाग द्वारा कोतवाली क्षेत्र के मोतीसागर पारा रेत घाट के प्रवेश द्वार पर सीलयुक्त बैरियर लगाया गया था जिसे रेत माफियाओं ने तोड़ दिया। इसके बाद बे रोक-टोक बन्द रेत घाट पर जाकर रेत की चोरी करते रहे। अब जब कब्रों को तोड़कर रेतओ की चोरी की गयी तो लोगों ने इसका जमकर विरोध किया जिसे देखते हुए खनिज विभाग ने खनिज अधिकारी प्रमोद नायक के मार्गदर्शन में रेत घाट के भीतरी मार्ग सहित मुख्य प्रवेश में बेरियर की जगह पर गड्ढा खुदवा दिया है। विभाग द्वारा जेसीबी लगाकर घाट की ओर जाने वाले सभी रास्तों को खुदवाया गया है जिससे रेत की चोरी को रोका जा सके । पर अब भी इस मार्ग पर बेरियर लगाकर घाट का आबंटन होने तक सील करने की जरूरत बनी हुई है। अब देखना होगा के विभाग द्वारा किया गया अनोखा उपाए कहाँ तक रेत माफियाओं को रेत चोरी करने से रोक सकता है।

निजात अभियान के अंतर्गत विनायक स्कूल बाकीमोंगरा में वार्षिकोत्सव के दौरान निजात कार्यक्रम से जुड़ने की दी गयी सलाह

- संवाददाता -
कोरबा, 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह द्वारा अवैध नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे निजात अभियान के तहत थाना बाकीमोंगरा द्वारा विनायक स्कूल में वार्षिकोत्सव के दौरान स्कूल के बच्चो उनके पालक, शिक्षकों के बीच जाकर बांकी मोंगरा पुलिस द्वारा नशा मुक्ति, गुड टच बेड टच, साइबर क्राइम एवम् साइबर सुरक्षा, अभिव्यक्ति एप, ट्रैफिक नियमों के बारे में विस्तृत जानकारी दि गयी। विनायक स्कूल में वार्षिकोत्सव के दौरान स्कूल के बच्चो उनके पालक, शिक्षकों जाकर संबोधित करते हुए नशे से होने वाले नुकसान के बारे में बताकर नशे से दूर रहने बुराईयो से बचने की सलाह दिया गया एवं भविष्य में भी कोरबा पुलिस द्वारा शुरू किया गया निजात अभियान जारी रहने की बात कही गयी।

जिला मुख्यालय में पहली बार मसीही समुदाय द्वारा क्रिसमस रैली का हुआ आयोजन

- संवाददाता -
सूरजपुर, 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

गत 23 दिसबंर को मसीही समाज के द्वारा क्रिसमस रैली के साथ प्रभु यीशु मसीह के जन्म उत्सव के शुभ संदेश व प्रार्थना के साथ के विशाल रैली निकाला गया जिसमें उक्त रैली में जिलें के समाज बडी संख्या में भाई-बहन व बच्चों ने बड-चढ कर हिस्सा लिया। उक्त रैली में जिलें में समस्त गिरजाघरों के पास्टर, प्रचारक व अन्य जिलें से संगठन के पदाधिकारी व पासवनों ने भी शिरकत की।

संयुक्त मसीह सेवा समिति के बैनर तलें शुक्रवार को नगर के संण्डे हाउस से माता कर्मा चौक तक जिलें के मसीह समुदाय के द्वारा क्रिसमस रैली निकाला गया। संयुक्त मसीह सेवा समिति सूरजपुर के जिलाध्यक्ष अजय लाल ने बताया कि क्रिसमस रैली जिलें में पहली बार मसीही समुदाय के द्वारा निकाला गया। जिसमें समुदाय के लोगो ने बडचढ कर हिस्सा लिया। उक्त रैली के प्रारंभ होने से पूर्व विशेष प्रार्थना पास्टर राजेश कर के द्वारा विशेष प्रार्थना कर क्रिसमस रैली कों प्रारंभ किया गया। सॉन्टा क्लाज के द्वारा नगर में मिठाई व चाकलेट बाटतें हुयें लोगों का मन मोंह लिया। वही नगर के लोगो ने क्रिसमस रैली को पहली बार नगर में निकलतें व सॉन्टा क्लाज को देखा तों लोगो ने अपने-आप को रोक नही पायें व सान्टा क्लाज के साथ सेल्फी लेतें दिखें।

चौंक-चौराहों में समाज के द्वारा विशेष प्रार्थना का आयोजन

नगर के अग्रसेन चौक में पास्टर सन्नीलाल रवि के द्वारा खीस्त जन्म के लिए व नगर के लोगो के कुशल मंगल, छात्र-छात्राओं के पढाई के साथ, नगर व्यापारियों के व्यापार के बढोत्तरी के लिए विशेष प्रार्थना किया गया।

रैली में चरनी रहा आकार्षक का कारण

बरबसपुर कलीसिया के द्वारा यीशु के जन्म को लेकर गौशाला पर चरनी का झांकी भी विशेष कारण रहा है। कलीसिया के छोटे नन्हें बच्चे माता मरियम पिता युसूफका किरदार बडें अच्छे तरीकें से निभाया जो कि लोगो को मन को मोंह लिया।

माता कर्मा चौक पर केक काटकर रैली का हुआ समापन

बाईपास माता कर्मा चौक पर प्रभु यीशु के जन्मोउत्सवों को लेकर समाज के द्वारा केक काट कर प्रभु यीशु के जन्म के संबंध में पास्टर सन्नीलाल रवि ने बाईबल से प्रभु यीशु मसीह के जन्म के संबंध में विशेष प्रकाश डाला।

उक्त रैली को सफल बनानें के लिए कोरिया जिलें से पहुँचें संयुक्त मसीह सेवा समिति छत्तीसगढ के प्रदेशाध्यक्ष विजय दादर, कोरिया जिलें जिलाध्यक्ष पास्टर विजय मार्टिन, सलाहकार पा0 सूरेश एक्का, सह-सचिव राजेश कुर्रे, अंशुल मिंज, पास्टर अनुराग तिर्की, सूरजपुर जिलाध्यक्ष अजय लाल, पा0 रार्बट लकड़ा, राजेश कर, बिनेश बाघ,

संयुक्त मसीही सेवा समिति के बैनर रैली का हुआ आयोजन

संगठन के समसोन केरकेट्टा, बरनाबास हसदा, विजय नवरंग, दीपक कर थें। रैली को सफल बनानें के लिए अन्य कलीसिया से शिरकत कियें पा0 रवि देवांगन, राजलाल, सहदेव, मनमोहन, प्रताप, मुकेश सारथी, उमेंश रवि, अमृत केरकेट्टा, पा0 संजय पनिका, विजय देवागंन व महिलाओं में श्रीमती लविना लाल, अनिता देवागंन, रामबाई व मनमेंत का योगदान काफी सराहनीय रहा।

ग्रामीणों ने पानी की समस्या दूर करने के लिए पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि से लगाई गुहार

- संवाददाता -
सूरजपुर, 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जनपद पंचायत प्रतापपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मानपुर के कदमपारा में ग्रामीणों को पेयजल की आपूर्ति के लिए लगाया गया सोलर पंप लगभग छह माह से खराब पड़ा है। ग्रामीणों ने बताया कि यहां जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत लगा सोलर पंप छह माह से खराब पड़ा है जिसके कारण हम लोगों के सामने पेयजल की समस्या खड़ी हो गई है। इस समस्या से कई बार संबंधित विभाग, जनप्रतिनिधि तथा कलेक्टर तक से शिकायत कर चुके हैं पर अब तक सोलर पंप को सुधारने कोई पहल नहीं हो सकी है। ग्रामीणों ने

बताया कि सोलर पंप के खराव हो जाने से उन्हें नदी का पानी पीना पड़ रहा है जिसकी वजह से गांव के कई लोग बीमार भी हो रहे हैं ऊपर से क्रेडा विभाग वाले सोलर पंप में लगी टंकी को भी निकालकर ले गए हैं। इस समस्या की शिकायत ग्रामीणों ने जिला पंचायत अध्यक्ष राजकुमारी सिंह मरावी से की थी। शिकायत पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिव भजन सिंह मरावी मानपुर पहुंचे। समस्या को सुनकर शिव भजन सिंह मरावी ने कहा कि गांव में लगी कोई भी सुविधाजनक वस्तु यदि खराव हो जाती है तो उसकी मरम्मत के लिए शासन पंचायतों को भी राशि भेजता है फिर भी पंचायत प्रतिनिधियों के द्वारा सोलर पंप को ठीकन कराना हैरत की बात है। मरावी ने इस समस्या के संबंध में मौके पर से ही संबंधित विभाग के अधिकारी से चर्चा की।

खाद्य मंत्री ने 2 करोड 23 लाख के विभिन्न निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री अमरजीत भगत ने शनिवार को नगर पंचायत सीतापुर में 2 करोड़ 23 लाख 77 हजार रुपये के विभिन्न निर्माण कार्यों का विधिवत पूजा अर्चना कर भूमिपूजन किया। इनमे नगर पंचायत के 10 वार्डों में सीसी रोड, नाली निर्माण, मंच, पुलिया एवं बीटी रोड शामिल हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 1 में 44.59 लाख रुपये के 6 कार्य, वार्ड क्रमांक 3 में 14.89 लाख रूपये की लागत से मालीपारा से महात्मा गांधी स्कूल तक सीसी रोड़ निर्माण, वार्ड क्रमांक 4 में 49.54 में 3 कार्य, वार्ड क्रमांक 6 में 20.22 लाख के 4 कार्य, वार्ड क्रमांक 7 में 17.91 लाख के 3 कार्य, वार्ड क्रमांक 10 में 37.76 लाख के 5 कार्य, वार्ड क्रमांक 13 में 13.9 लाख के 3 कार्य तथा वार्ड क्रमांक 15 में 24.96 लाख के दो कार्यों का भूमिपूजन किया गया।

इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं वार्डवासी उपस्थित थे।

विकासखंड मुख्यालय भैयाथान में सूचना शिविर सह छायाचित्र प्रदर्शनी आयोजित

- संवाददाता -
सूरजपुर, 24 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में 17 दिसंबर को राज्य सरकार के 4 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में छत्तीसगढ़ गौरव दिवस मनाया जा रहा है।राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के लिए आज शनिवार को विकासखंड मुख्यालय भैयाथान के खेल मैदान में सूचना शिविर सह छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा के मार्गदर्शन में छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। पिछले 4 साल के महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी कार्यों और उपलब्धियों पर आधारित जनसंपर्क विभाग की छायाचित्र प्रदर्शनी से लोगों को सहजता से योजनाओं की जानकारी मिल रही है।

छायाचित्र प्रदर्शनी के माध्यम से राज्य सरकार की राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल योजना, नई उद्योग नीति की सफलता,धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना, राजीव युवा मितान क्लब, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, सुराजी गांव योजना, कोदो कुटकी एवं रागी की उत्पादकता बढ़ाने के लिए छत्तीसगढ़ मिलेट मिशन, समर्थन मूल्य पर लघु वनोपजो की खरीदी, छत्तीसगढ़ न्याय की नई परिभाषा के तहत कर मुक्त किसान, सशक्त आदिवासी, लाभान्वित श्रमिक, आर्थिक तरक्की करता छत्तीसगढ़-निर्यात में पौने तीन गुना की वृध्दि, कृष्ण कुंज योजना के तहत उपयोगी वृक्षों का रोपण एवम अमूल्य विरासत का संरक्षण तथा बिजली बिल हाफ योजना की जानकारी प्रदर्शित की गई है।

शिविर में वितरण की गई शासन की योजनाओं पर आधारित निःशुल्क प्रचार सामग्री

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्र. /ब-121/2020-21

ईश्तहार

आवेदक/आवेदिका का नाम आनन्द कुमार आ0 स्व0 श्री कुन्दनराम जाति- निवासी ग्राम सूरजपुर प0ह0नं0 तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 ने अपने जानकी राम मृत्यु/जन्म दिनांक 03/07/1992 का मृत्यु/जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतू आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गयी है। इस संबध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 30/12/2022 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। नियत तिथि के 07 दिवस के बाद प्राप्त आपत्ति दावा कोई विचार नहीं किया जायेगा। तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 23/12/2022 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार सूरजपुर (छ0ग0) संजय कुमार राठौर तहसीलदार सूरजपुर

न्यायालय, सक्षम प्राधिकारी (व्यपवर्तन) एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा0) बैकुण्ठपुर, जिला - कोरिया, (छ0ग0)

क्रमांक 328/वाचक-2/2022

बैकुण्ठपुर, दिनांक 16/12/2022

प्रति,
1. अनुविभागीय अधिकारी, रा0राज्य मार्ग मनेन्द्रगढ़
2. सहायक अभियंता, विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बैकुण्ठपुर
3. ग्राम पंचायत, पटना

विषयः- भू-व्यपवर्तन प्रकरण में अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने बावत्।

आवेदक प्रेम सिंह पिता चंडीफेश्वर जाति गोड़ निवासी ग्राम सावांरावा तहसील बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया (छ0ग0) द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम पटना प0ह0नं0 39 तहसील बैकुण्ठपुर स्थित भूमि 658/14 रकबा 0.032 हे0 भूमि राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि का व्यवसायिक प्रयोजन हेतु भू-व्यपवर्तन बावत् आवेदन पत्र शपथ पत्र खसरा बी-1 नक्शा सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः आप आवेदक द्वारा प्रस्तुत उपरोक्त खसरा नंबर के भूमि के आवासीय प्रयोजन हेतु भू-व्यपवर्तन के लिए अपना प्रति वेदन मय अभिमत 07 दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें, अन्यथा इस संबंध में आपको कोई आपत्ति नहीं है, मानते हुए प्रकरण का निराकरण कर दिया जायेगा।

सील — सक्षम प्राधिकारी (व्यापवर्तन) एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा) बैंकुण्ठपुर जिला-कोरिया (छ0ग0)

न्यायालय नायब तहसीलदार रघुनाथपुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा.प्र.क्र./202210022300013/ अ-21 /2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक युनित सिंह आ0 नंदु सिंह उम्र 28 वर्ष जाति क्षत्रिय निवासी ग्राम विशुनपुरखुर्द पो0 अजिरमा तहसील अम्बिकापुर के द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम डकई स्थित व्यपवर्तित भूमि खसरा नम्बर 415/2 रकबा 0.405 हे0 भूमि को अनावेदिका श्रीमती साक्षी अग्रवाल पति अभिषेक अग्रवाल उम्र लगभग 27 वर्ष जाति अग्रवाल निवासी ए0ई-6 कुण्डला सिटी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास विक्रय करने की अनुमति हेतु न्यायालय कलेक्टर सरगुजा में आवेदन प्रस्तुत किया गया जो मूलतः बिन्दुवार जांच प्रतिवेदन इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है जो विचाराधीन उपरान्त लंबित है। उक्त कार्यवाही से किसी को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 13/01/2023 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किंया जायेगा एवं तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी ।

आज दिनांक 18/11/2022 को मेरें हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

सील — नायब तहसीलदार रघुनाथपुर तहसील लुण्ड्रा

न्यायालय नायब तहसीलदार रघुनाथपुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा.प्र.क्र./202210022300014/ अ-21 /2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बालकेश पिता बुझावत उम्र लगभग 42 वर्ष जाति लोहार, निवासी ग्राम एम0जी रोड भगवानपुर पो0 अजिरमा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम डकई स्थित व्यपवर्तित भूमि खसरा नम्बर 415/1 रकबा 0.368 हे0 भूमि को अनावेदिका श्रीमती साक्षी अग्रवाल पति अभिषेक अग्रवाल उम्र लगभग 27 वर्ष जाति अग्रवाल निवासी ए0ई-6 कुण्डला सिटी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास विक्रय करने की अनुमति हेतु न्यायालय कलेक्टर सरगुजा में आवेदन प्रस्तुत किया गया जो मूलतः बिन्दुवार जांच प्रतिवेदन इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है जो विचाराधीन उपरान्त लंबित है। उक्त कार्यवाही से किसी को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यय से दिनांक 13/01/2023 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किंया जायेगा एवं तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी ।

आज दिनांक 18/11/2022 को मेरें हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

सील — नायब तहसीलदार रघुनाथपुर तहसील लुण्ड्रा

कार्यालय अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि :- 22/12/2022

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये करें Log in http://eproc.cgstate.gov.in
02. आनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि-10/01/2023
02. संबंधित संभाग-मनेन्द्रगढ़

सरल क्र.	एन.आई.टी.क्र. / ऑनलाइन सिस्टम क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	172 117734 1st Call D Class and Above	जिला कोरिया के विकासखण्ड बैकुण्ठपुर अंतर्गत ग्राम सावारांवा में हाई स्कूल भवन का निमाण कार्य	67.46

जी नंबर-96979/1 — अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकपुर

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, (वि./यां.) संभाग अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-6747/NIT-15/2022-2023/ व.ले.लि. — दिनांक : 20/12/2022

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 28/12/2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 03/01/2023 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 04/01/2023 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

कार्य हेतु :-
निविदा प्रपत्र का मूल्य :- 750.00 रूपये, निविदाकारों की श्रेणी :- ई- पंजीयन के अंतर्गत द से अ तक तथा कार्य की अवधि दिनांक 31/10/2023 तक वर्षा ऋतु सहित निर्धारित है।

एनआईटी क्र.15 निविदा क्र.	कार्य का नाम NoOfCalls(द्वितीय आमंत्रण)	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) -अनुमानत राशि (रू.में) बैंक साल्वेंसी (रू.में)
1	2	3
T0128	Probable Providing Electrification to maa Mahamaya Airport at Darima, Ambikapur //Mate Office and Ground Staff, panel Room and CCR Room Anti Hyject Room, CNS Room and ATC Tower, Fire Store and Trainig Center and Watch Tower etc// Districe Surguja, Chhattisgarh //Deposit Work//	18.87-14153.00 -283050.00

निविदा संबंधित शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

जी नंबर 96927/2 — कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

आईपीएल ऑक्शन में बजा छत्तीसगढ़ का डंका!

प्रदेश के इन 2 क्रिकेट स्टार्स को किस टीम ने कितने में खरीदा?

रायपुर , 24 दिसम्बर 2022। आईपीएल का खुमार क्रिकेटप्रेमियों के सिर चढ़कर बोलता है। आईपीएल 2023 के लिए हुए मिनी ऑक्शन में इस बार भी छत्तीसगढ़ का डंका बजा। दरअसल, आईपीएल के अगले सीजन के लिए छत्तीसगढ़ की सीनियर क्रिकेट टीम के कप्तान हरप्रीत सिंह भाटिया और ऑल अजय मंडल को दो अलग-अलग टीमों में चुन लिया गया हैं।

हरप्रीत को पंजाब किंग्स ने 40 लाख रुपए में खरीदा। जबकि अजय मंडल को धोनी की कप्तानी वाली टीम चेन्नई सुपर किंग्स ने 20 लाख रुपए की बेस प्राइज में टीम में शामिल किया। दोनों ही खिलाड़ियों ने मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे में प्रदर्शन के दम पर ऑक्शन क्वालीफाई किया। वहीं, छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ ने 13 लोगों के नाम इस सीजन के लिए भेजे थे

ये खिलाड़ी थे ऑक्शन लिस्ट में

छत्तीसगढ़ के स्टार ऑलराउंडर शशांक सिंह जो पिछले सीजन सनराइजर्स हैदराबाद के खेमे का हिस्सा थे। हालांकि, प्रर्दशन अच्छा नहीं होने के चलते उन्हें रिलीज कर दिया। बैट्समेन अमनदीप खरे, सुभम अग्रवाल और बॉलर रवि किरण जैसे प्लेयर्स को ऑक्शन के लिए चुना गया था मगर इन पर किसी ने हाथ नहीं डाला।

छत्तीसगढ़ के शशांक के फैन हो गए थे हरभजन

छत्तीसगढ़ के शशांक सिंह का बल्ला आईपीएल 2022 में चल चुका है। गुजरात टाइटंस और हैदराबाद सनराइजर्स के बीच हुए मुकाबले में सिक्सर की हैट्रिक लगाकर शशांक ने ऐतिहासिक पारी खेली। 8 महीने पहले आईपीएल 2022 में अपना पहला मैच खेल रहे शशांक सिंह ने 20वें ओवर में दुनिया के तेज और शानदार बॉलर्स में शुमार लोकी फर्ग्यूसन की आखिरी तीन गेंद पर लगातार तीन छक्के जड़े। शशांक ने छह गेंदों पर 25 रन बनाए।

मैच में बैक टू बैक 3 सिक्सर लगाने के बाद हरभजन सिंह भी शशांक सिंह के फैन हो गए। उन्होंने खुले दिल से कहा कि भाई मान गए शशांक सिंह ने यह साबित किया है कि भारत में टैलेंट की कोई कमी नहीं है।उन्होंने इतने वक्त तक जो मेहनत की आखिरकार उसका फल मिला है, और इस खिलाड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। मैं तो इनका फैन हो गया हूं।

शाहिद अफरीदी बने पाकिस्तान के नए मुख्य चयनकर्ता

लाहौर, 24 दिसम्बर 2022। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रबंधन समिति ने शनिवार को पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी को पुरुष टीम का अंतरिम मुख्य चयनकर्ता नियुक्त किया। चयन समिति में अफरीदी के साथ उनके पूर्व पाकिस्तानी साथी अब्दुल रज्जाक और राव इफ्तिखार अंजुम शामिल होंगे, पीसीबी ने नई चयन समिति को पहली जिम्मेदारी यह दी है कि पुरानी चयन समिति के द्वारा चुनी गई टीम का फिर अवलोकन करें और अगर सही खिलाड़ियों को नहीं चुना गया है तो इसमें बदलाव करें। यह टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में खेलेगी, जो 26 दिसंबर से कराची में शुरू होगा।

हारून राशिद (सदस्य प्रबंधन समिति) तीन सदस्यीय चयन समिति के संयोजक होंगे। गुरुवार को कार्यभार संभालने वाले नजम सेठी की अगुवाई वाली नई पीसीबी प्रबंधन समिति ने पहले मुख्य चयनकर्ता मोहम्मद वसीम के अनुबंध को समाप्त कर दिया था, यानी उन्हें हटा दिया था और 2019 पीसीबी संविधान के तहत गठित सभी समितियों को भंग कर दिया था, जिसे पाकिस्तान सरकार ने रद्द कर दिया था।

लेग स्पिन ऑलराउंडर अफरीदी ने 1996 से 2018 तक 27 टेस्ट, 398 वनडे और 99 टी20 मैच खेले जिसमें उन्होंने कुल 11,196 रन बनाए और 541 विकेट लिए। उन्होंने 83 अंतरराष्ट्रीय मैचों में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी भी की। वह पाकिस्तान की उस टीम के सदस्य थे जिसने लॉर्डस में आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2009 जीता था। अफरीदी ने कहा- मैं पीसीबी प्रबंधन समिति द्वारा यह जिम्मेदारी सौंपे जाने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं और इस जिम्मेदारी को पूरा

करने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा। हमें अपने जीत के रास्ते पर वापस जाने की जरूरत है और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि रणनीतिक चयन निर्णयों के माध्यम से, हम न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में मजबूत प्रदर्शन करने और अपने प्रशंसकों के विश्वास को पुन- प्राप्त करने में राष्ट्रीय टीम की मदद करेंगे। अफरीदी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं जल्द ही चयनकर्ताओं की बैठक बुलाऊंगा और आगामी मैचों को लेकर अपनी योजना साझा करूंगा।

रज्जाक ने 1996 से 2013 तक पाकिस्तान के लिए 17 साल के करियर में 343 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले और 7,419 रन बनाए और 389 विकेट लिए। वह भी लॉर्डस में 2009 टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम के सदस्य थे। इफ्तिखार ने 2004 से 2010 तक पाकिस्तान के लिए एक टेस्ट, 62 ओडीआई और दो टी20 मैच खेले हैं।

पीसीबी प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सेठी ने कहा- मैं अंतरिम पुरुषों की राष्ट्रीय चयन समिति का स्वागत करता हूं और इसमें कोई संदेह नहीं है कि सीमित समय के बावजूद, यह साहसी और साहसिक निर्णय लेगा जो हमें न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में मजबूत और प्रतिस्पर्धी टीम बनाने में मदद करेगा। शाहिद अफरीदी एक आक्रामक क्रिकेटर रहे हैं, जिन्होंने अपना सारा क्रिकेट बिना किसी डर के खेला। उनके पास लगभग 20 वर्षों तक क्रिकेट खेलने का अनुभव है, उन्होंने सभी प्रारूपों में सफलता हासिल की है और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने हमेशा युवा प्रतिभा का समर्थन और समर्थन किया है। तो, हमारी सामूहिक राय में, आधुनिक समय के खेल की मांग और चुनौतियों को समझने के लिए उनसे बेहतर कोई व्यक्ति नहीं है। मुझे विश्वास है कि खेल के बारे में उनकी समझ के जरिए वह पाकिस्तान के लिए सर्वश्रेष्ठ टीम चुनने में मदद करेंगे। वह योग्य और ऐसे खिलाड़ियों को मौका देंगे, जो टीम की सफलता में योगदान दें।

फ्रांस की विश्व कप विजेता टीम के सदस्य ब्लेज मटुइदी ने फुटबाल से संन्यास लिया

पेरिस,24 दिसंबर 2022। फ्रांस की विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे ब्लेज मटुइदी ने फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। पैंतीस वर्षीय मटुइदी 2018 में विश्व कप जीतने वाली फ्रांसीसी टीम के सदस्य थे।

उन्होंने फ्रांस की तरफ से 84 मैच खेले। इस मिडफील्डर ने राष्ट्रीय टीम की तरफ से अपना आखिरी मैच तीन साल पहले खेला था।

मटुइदी ने ट्विटर पर लिखा, फुटबॉल, मैं तुम्हें बहुत चाहता हूं। फुटबॉल तुमने मुझे बहुत कुछ दिया लेकिन अब अलविदा कहने का समय आ गया है। मैंने अपने सपने को जिया।'' उनके रहते हुए पेरिस सेंट जर्मेन ने चार बार फ्रेंच लीग का खिताब जीता। मटुइदी की मौजूदगी में इटली के युवेंटस ने लगातार तीन बार खिताब जीते।

तीन खिलाड़ियों को खरीदने में ही टीमों ने खर्च कर दिए लगभग 52 करोड़ रुपए

नई दिल्ली,24 दिसंबर 2022। आईपीएल 2023 के लिए कल हुई नीलामी में कई खिलाड़ियों को इतना पैसा मिला है जिसका उन्हें खुद को भी अनुमान नहीं होगा। इन खिलाड़ियों पर जमकर पैसा बरसा है। आपको बता दें की कोच्चि में आयोजित हुए ऑक्शन में कई रिकॉर्ड भी बने। इस दौरान लगभग 80 खिलाड़ी बिके।

नीलामी के मामले में ऑस्ट्रेलिया के कैमरन ग्रीन दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। ग्रीन को मुंबई इंडियंस ने अपने साथ जोड़ा और उन्हें लगभग 17.50 करोड़ खर्च अपने साथ कर लिया। ग्रीन को खरीदने के लिए मुंबई इंडियंस ने कोई कमी नहीं छोड़ी और 17.50 करोड़ खर्च कर दिए। इनके अलावा बेन स्टोक्स तीसरे नंबर पर रहे, जिन्हें चेन्नई सुपरकिंग्स ने 16.25 करोड़ में अपने साथ जोड़ा। इस खिलाड़ी की खरीद के लिए चेन्नई सुपरकिंग्स ने पहले ही तय कर लिया था। वहीं सबसे महंगे बिकने वाले और एक नंबर पर रहे सैम करेन जो 18.50 करोड़ में बिके।

मारिया संन्यास के फैसले पर कर सकते है पुनर्विचार

ब्यूनस आयर्स ,24 दिसंबर 2022। फीफा विश्व कप फाइनल मैच में अर्जेंटीना की फ्रांस पर नाटकीय पेनल्टी शूटआउट जीत में अहम भूमिका निभाने वाले एंजेल डी मारिया अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को आगे बढ़ा सकते हैं। यह जानकारी स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में दी गई है। टीवाईसी स्पोर्ट्स ने कहा कि 34 वर्षीय जुवेंटस विगर ने पहले घोषणा की थी कि वह कतर में फुटबॉल विश्व कप के बाद संन्यास ले लेंगे, लेकिन टूर्नामेंट में उनके प्रदर्शन ने उन्हें अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित किया। डि मारिया के अब 2024 कोपा अमेरिका कप में खेलने की संभावना हैं। डि मारिया ने पिछले रविवार को फाइनल मैच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और पेनल्टी शूट को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढत दिलाई।

आईपीएल के इतिहास में बना रिकॉर्ड, सबसे महंगे बिके इंग्लैंड के सैम करेन

नई दिल्ली,24 दिसंबर 2022। आईपीएल के 16वें एडिशन के लिए कोच्चि में आयोजित हुए मिनी ऑक्शन में कुल 80 खिलाड़ी बिके। इस नीलामी में कुल 405 खिलाड़ी शामिल थे। इस नीलामी में कई खिलाड़ी दबाकर मालामाल हुए है। इतना ही नहीं इस बार की नीलामी में रिकॉर्ड भी बने। यह नीलामी लगभग 6 घंटे तक चली। इस नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी के तौर पर इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर सैम करेन बिके सैम करेन को पंजाब किंग्स ने 18. 50 करोड़ में खरीदा है। करेन आईपीएल के नीलामी इतिहास में सबसे महंगे बिकने वाले खिलाड़ी बन गए है।

इससे पहले यह रिकॉर्ड साउथ अफ्रीका के ऑलराउंडर क्रिस मॉरिस के नाम था जिन्हें साल 2021 में राजस्थान रॉयल्स ने 16.25 करोड़ में खरीदा था। इस तरह आईपीएल 2023 में सैम करेन सबसे महंगे खिलाड़ी साबित हुए। पंजाब किंग्स ने इस मामले में किसी को साथ नहीं आने दिया और इस खिलाड़ी को 18.50 करोड़ में खरीद लिया।

अनुराग ठाकुर ने खेलो इंडिया डैशबोर्ड लॉन्च किया

नई दिल्ली,24 दिसंबर 2022। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को 'खेलो इंडिया डैशबोर्ड' लांच किया जहां लोगों को इस कार्यक्रम के अंतर्गत आने वाली विभिन्न योजनाओं के संबंध में सारी जानकारी एक ही मंच पर मिल जायेगी। इस डिजिटल मंच पर खेलो इंडिया कार्यक्रम से संबंधित खिलाड़ियों, कोचों, स्थलों और योजनाओं के आंकड़ों का डाटा होगा। भारतीय खेल प्राधिकरण के शुक्रवार को एक बयान के अनुसार, ''डैशबोर्ड 'रियल टाइम' में अपडेट किया जायेगा जिसका उद्देश्य देश के प्रत्येक नागरिक को खेलो इंडिया की विभिन्न योजनाओं की सभी जानकारी प्रदान करना है।' ठाकुर ने कहा, ''यह मंच प्रत्येक व्यक्ति को सारी सूचना प्रदान करेगा, भले ही वे खिलाड़ी हों या सामान्य व्यक्ति।'' अगले साल भारतीय क्रिकेट टीम के एशिया कप के लिये पाकिस्तान की यात्रा नहीं करने के बीसीसीआई के फैसले पर ठाकुर ने कहा, ''मैं इस पर फैसला करने के लिये सही व्यक्ति नहीं हूं।'' चीन में कोविड-19 मामले बढ़ने से थोड़ी चिंता बढ़ गयी है कि हांगजोऊ में एशियाई खेल होंगे या नहीं। ठाकुर ने कहा कि वह बदलते हुए हालात से वाकिफ हैं लेकिन भारतीय टीम की तैयारियों पर इससे कोई रूकावट नहीं आयेगी। उन्होंने कहा, ''मैं (चीन के) हालात से वाकिफ हूं लेकिन हमारे खिलाड़ियों की तैयारियां जारी रहेंगी।

ओमकारा का रीमेक और देसी बॉयज का सिक्वेल बनेगा

बॉलीवुड में कई फिल्मों के रीमेक और सीक्वल की लाइन लगी हुई है। कई लोकप्रिय फिल्मों के सीक्वल की घोषणा हो चुकी है। ऐसी ही एक घोषणा गुरुवार को फिल्म प्रोड्यूसर आनंद पंडित ने की है। हालांकि, प्रशंसक इन नई घोषणा से खुश नहीं हैं। गुरुवार को आनंद ने चर्चित फिल्म ओमकारा के रीमेक का ऐलान किया। वहीं उन्होंने अक्षय कुमार और जॉन अब्राहम की फिल्म देसी बॉयज के सीक्वल का भी ऐलान किया है। इन फिल्मों के लिए आनंद पंडित ने इरोज इंटरनैशनल के साथ हाथ मिलाया है। खबर के मुताबिक आनंद ने अपने बयान में कहा, ओमकारा और देसी बॉयज, स्टोरीटेलिंग, स्टारकास्ट और संगीत के मामले में अपने-अपने समय की यादगार फिल्में हैं। अलग-अलग वजहों से इन दोनों फिल्मों का अपना प्रशंसकवर्ग है। यह बिल्कुल सही समय है कि इन दोनों हिट फिल्मों को नए दर्शकों के लिए नए तरीके से बनाया जाए। इरोज इंटरनैशनल के चेयरमैन सुनील लुल्ला ने भी इस साझेदारी पर अपनी उत्सुकता जताई। उन्होंने कहा, हम अकसर सोचते हैं कि हमारे पसंदीदा फिल्मी किरदारों के साथ क्या हुआ। क्या उनका सफर उन्हें किसी आश्चर्यजनक रास्ते पर ले गया? ये फिल्में ऐसे कई सवालों के जवाब देंगी। हम साथ काम करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे की इन फिल्मों की वास्तविकता भी बनी रहे और उसमें नई ऊर्जा भी शामिल हो। इस घोषणा पर दर्शकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया आई है। जहां फिल्मी साथी उन्हें इस सफर के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं वहीं इन फिल्मों के कुछ प्रशंसक उनसे इन्हें न छेड़ने की बात कह रहे हैं। एक ट्विटर यूजर ने लिखा, आप ओमकारा का रीमेक मत करो, उसका प्रीक्वल बनाओ। एक अन्य यूजर ने लिखा कि बॉलीवुड के पास नए आइडिया खत्म हो गए हैं। वहीं एक यूजर ने चुटकी लेते हुए लिखा कि ब्रह्मास्त्र का भी रीमेक बना दो। 2006 में आई फिल्म ओमकारा को दर्शकों ने पसंद किया था। इस फिल्म में अजय देवगन, सैफ अली खान और करीना कपूर मुख्य भूमिका में थे। फिल्म में कोंकणा सेन शर्मा, विवेक ओबेरॉय, नसीरूद्दीन शाह और दीपक डोबरियाल भी नजर आए थे। निर्देशक रोहित धवन की फिल्म देसी बॉयज 2011 में आई थी। इस फिल्म में अक्षय कुमार, जॉन अब्राहम, दीपिका पादुकोण और चित्रांगदा सिंह नजर आए थे। फिल्म नई पीढ़ी के दर्शकों के बीच चर्चित थी।

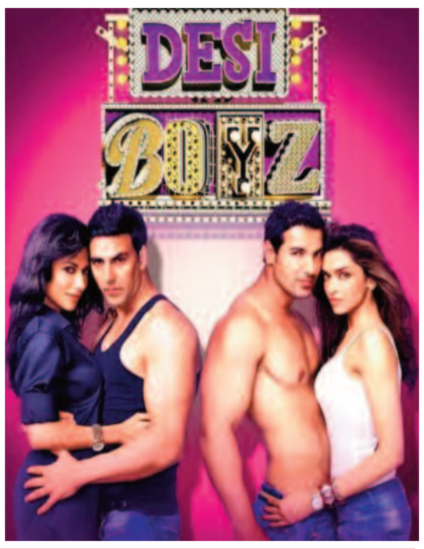

पर्पल ड्रेस में बैक और कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करतीं नजर आईं खुशी कपूर

स्टार किड खुशी कपूर अपनी ग्लैमरस अंदाज से फैंस के दिलों पर कहर बरपाए रहती हैं। बोल्डनेस के मामले में अपनी बहन जान्हवी कपूर को पीछे छोड़ते नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें इन दिनों चर्चाओं का विषय बनी हुई हैं। वहीं, एक्ट्रेस जल्द ही जोया अख्तर की फिल्म से डेब्यू करने वाली हैं। पर्पल कलर की शॉर्ट ड्रेस में एक्ट्रेस खुशी कपूर बेहद ही ग्लैमरस नजर आ रही हैं। खुशी कपूर सायनी मेकअप और स्टाइलिश हेयर स्टाइल में बेहद ही बोल्ड लग रही हैं। बोल्ड आउटफिट में खुशी कपूर अपनी कातिलाना अदाओं से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाए हुए हैं। एक्ट्रेस खुशी कपूर इस आउटफिट में बैकलेस नजर आ रही हैं। साथ ही अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। फैंस को खुशी कपूर का ये लुक काफी पसंद आ रहा है। फैंस उनकी तस्वीरें पर हार्ट और फायर इमोजी की बारिश कर रहे हैं। खुशी कपूर श्रीदेवी की सबसे लाडली बेटी में से एक हैं। खुशी कपूर बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर की बहन और बोनी कपूर की बेटी हैं। एक्ट्रेस खुशी कपूर जल्द ही जोया अख्तर की फिल्म आर्चीज से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं। एक्ट्रेस खुशी कपूर के इंस्टाग्राम पर भी तगड़ी फैन फॉलोइंग हैं। उनके इंस्टा पर 913 के फॉलोवर्स हैं।

CMYK

चक दे इंडिया के नारे के साथ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उठाई हाकी विश्वकप की ट्राफी

भारत को विश्व विजेता बनने के लिए मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएँ

रायपुर,24 दिसम्बर 2022(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने चक दे इंडिया के नारे के साथ हाकी विश्व कप की ट्राफी उठाई और भारत को विश्व विजेता बनने के लिए शुभकामनाएं दीं है । हॉकी वर्ल्ड ट्रॉफी आज छत्तीसगढ़ पहुंची है । राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने ट्रॉफी का अनावरण किया।

हॉकी वर्ल्ड कप की ट्रॉफी को हॉकी इंडिया नई दिल्ली द्वारा देश के विभिन्न 16 राज्यों में भ्रमण कराया जा रहा हैं। अंतिम पड़ाव में यह छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर पहुंची है। गौरतलब है कि ओडिशा में 13 से 29 जनवरी 2023 तक एफआईएच ओडिशा मेन्स वर्ल्ड कप आयोजित किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता भुवनेश्वर और राउरकेला में संपन्न होगी।

हॉकी वर्ल्ड ट्रॉफी रायपुर पहुंचने पर मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में इस ट्रॉफी के स्वागत के लिए कार्यक्रम का

आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के मुख्य आतिथ्य एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री उमेश पटेल की अध्यक्षता में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री निवास में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री बघेल ने हॉकी वर्ल्ड ट्रॉफी का अनावरण किया।इस दौरान हाकी में विशेष योगदान देने वाले छत्तीसगढ़ के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं छत्तीसगढ़ के पौने तीन करोड़ लोगों की ओर से इस खूबसूरत ट्रॉफी का तहेदिल से स्वागत करता हूं। ओडिशा में इस प्रतिष्ठापूर्ण आयोजन से छत्तीसगढ़ के लोग भी उतने ही खुश हैं, जितने कि ओडिशा के लोग हैं। इस आयोजन से पूरे देश में उत्साह, उत्सुकता और खुशी का वातावरण है।

श्री बघेल ने कहा कि पिछले चार वर्षों के दौरान छत्तीसगढ़ में सभी खेलों की अधोसंरचनाओं को लगातार मजबूत किया गया है। हमने चार वर्षों में 21 स्पोर्ट्स एकेडमी की स्थापना की है , आज हमारे यहां हॉकी के खिलाड़ियों के लिए विश्वस्तरीय मैदान और सुविधाएं उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों के प्रति लोगों का उत्साह बढ़ाने के लिए ही छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का भी आयोजन किया जा रहा है ताकि खेल प्रतिभाओं को ज्यादा से ज्यादा मौके मिले।

यह पहला मौका है, जब हॉकी वर्ल्ड कप की ट्रॉफी रायपुर आयी है। 23 दिसंबर 2022 को फील्ड मार्शल के.एम. करिअप्पा स्टेडियम बेंगलुरू (कर्नाटक) में एक भव्य समारोह में ट्रॉफी को छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष श्री फिरोज अंसारी को सौंपा गया था । रायपुर के बाद इस ट्रॉफी को विश्व कप आयोजन स्थल भुवनेश्वर के लिये रवाना किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान खेल मंत्री श्री उमेश पटेल, संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय, संसदीय सचिव श्रीमती रश्मि सिंह , छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल के अध्यक्ष एवं विधायक श्री कुलदीप जुनेजा, विधायक श्री सत्यनारायण शर्मा, रायपुर महापौर श्री ऐजाज ढेबर, राजनांदगांव की महापौर श्रीमती हेमा देशमुख, छत्तीसगढ़ हाकी के अध्यक्ष श्री फिरोज अंसारी समेत हाकी के अंतर्राष्टीय खिलाड़ी, प्रदेश के छत्तीसगढ़ हाकी संघों के पदाधिकारी एवं युवा हाकी खिलाड़ी उपस्थित थे।

सूर्या के करीबी का ईडी के सामने सरेंडर

रायपुर,24 दिसम्बर 2022(ए)। ईडी को जिस भरोसेमंद मुलाज़िम की तलाश थी उसने भी आखिरकार सरेंडर कर दिया है। खुद सरेंडर करने वाले उस व्यक्ति का नाम निखिल चंद्राकर बताया जा रहा है। हालाकि इसके नाम की

पुष्टि श्वष्ठ या पुलिस की तरफ से नहीं हुई है। लेकिन दावा किया जा रहा है कि एक अहम आरोपी का वह निकटस्थ संबंधी है। सूत्रों ने बताया कि इसके खिलाफ बंगलुरू में भी आयकर विभाग की ओर से एक एफआईआर की गई है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)